Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 317 | रविवार, 22 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम-ई-बस और नीतीश सेतु से सुगम होगा सफर, पीएम मोदी ने बिहार को दिए 34470 करोड़

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में 100 'पीएम-ई-बसों' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसका उद्देश्य राज्य में स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन को और बढ़ावा देना है। छठ महापर्व के समापन के बाद, बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी को प्रधानमंत्री ने 'विकास के उत्सव' के रूप में सराहा और कहा कि यह 'छठी मैया' के आशीर्वाद से हो रहा है। इस मौके पर एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों की भारी उपस्थिति की प्रशंसा की और कहा कि यह भीड़ लोगों की बढ़ती जागरूकता और प्रगति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हाल ही में संपन्न हुए छठ पर्व की भावना को राज्य की विकास यात्रा से जोड़ते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर को 'विकास का उत्सव' करार दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इतने बड़े जनसमूह को कैमरे में पूरी तरह कैद किया जा सकता है। यह विशाल भीड़ विकास के प्रति बढ़ती जागरूकता और प्रतिबद्धता का जीता-जागता प्रमाण है। लोगों की गहरी आस्था का प्रतीक 'छठ' महापर्व अभी संपन्न हुआ है... अब, छठी मैया के आशीर्वाद से, हम यहाँ विकास का उत्सव मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं।' 100 इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत का उद्देश्य राज्य भर में शहरी सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, प्रदूषण कम करना और पर्यावरण के अनुकूल आवागमन को बढ़ावा देना है। वैशाली की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री ने सड़क संपर्क, ऊर्जा, शहरी बुनियादी ढांचे, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और परिवहन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लगभग 34,470 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया और उनकी आधारशिला रखी।

इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में गंगा नदी पर बने छह-लेन वाले 'नीतीश सेतु' का लोकार्पण शामिल था, जो पटना जिले के कच्ची दरगाह को वैशाली जिले के बिदूपुर से जोड़ता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत 26,900 से अधिक लाभार्थियों के लिए 'गृह प्रवेश' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के वैशाली में गंगा नदी पर बने छह-लेन वाले 'नीतीश सेतु' (केबल-स्टेयड ब्रिज) को जनता को समर्पित किया। उन्होंने इस बुनियादी ढांचा परियोजना का नाम पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर रखे जाने को 'बिहार की जनता की ओर से उनके समर्पण और सेवा के प्रति एक सम्मान' बताया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कच्ची दरगाह और बिदूपुर को जोड़ने वाला नया पुल, पटना और वैशाली के बीच आने-जाने की मुश्किलों को कम करेगा, साथ ही कृषि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को भी बेहतर बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'गंगा नदी पर बना छह लेन वाला केबल पुल, जो दरगाह और बिदूपुर को जोड़ता है, जनता को समर्पित कर दिया गया है।

आदरणीय नीतीश जी के सम्मान में, इस आधुनिक पुल का नाम 'नीतीश सेतु' रखा गया है। यह बिहार के लोगों की ओर से उनके समर्पण और सेवा के प्रति एक सम्मान है। इस पुल ने पटना और वैशाली के बीच की दूरी और यात्रा की कठिनाइयों, दोनों को कम कर दिया है। अब फसलों, फलों, सब्जियों, दूध और डेयरी उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचाना आसान हो जाएगा। साथ ही, इससे युवाओं के लिए शिक्षा और बुजुर्गों के लिए चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच भी काफी आसान हो जाएगी।

यूपी पुलिस की बड़ी चूक, सुप्रीम कोर्ट के जज की जगह सांसद ओवैसी को दे दिया गार्ड ऑफ ऑनर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर में पुलिस की बड़ी चूक सामने आई है। यहां सर्किट हाउस पर पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को पुलिसकर्मियों ने गलती से गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया। जबकि गार्ड ऑफ ऑनर सुप्रीम कोर्ट के एक जज के आगमन पर होना था। पुलिसकर्मियों की ये गलती अब चर्चा का विषय बनी है।

शनिवार को सर्किट में हाउस सुप्रीम कोर्ट के जज का आगमन था। जज को गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए पहले से पुलिसकर्मी तैनात थे। लेकिन उससे पहले एआईएमआईएम चीफ ओवैसी सुबह साढ़े 11 बजे अपने काफिले के साथ सर्किट हाउस पहुंच गए। जैसे ही ओवैसी सर्किट हाउस जाने के लिए अपनी गाड़ी से उतरे तो वहां खड़े गार्ड अलर्ट हो गए। गलती से पुलिसकर्मियों ने ओवैसी को ही गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया। पुलिसकर्मियों से सलामी लेने के बाद ओवैसी चंद्रशेखर के साथ सर्किट हाउस के अंदर चले गए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पुलिसकर्मियों को जब अपनी गलती का एहसास हुआ तो अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस की गलती पर उठे सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर गार्ड ऑफ ऑनर देने से पहले संबंधित व्यक्ति की पहचान और निर्धारित कार्यक्रम का मिलान क्यों नहीं किया गया। क्या पुलिसकर्मियों को कार्यक्रम और प्रोटोकॉल की सही जानकारी नहीं थी या फिर जल्दबाजी में यह चूक हुई?

मामले ने पुलिस की तैयारियों और वीआईपी प्रोटोकॉल के पालन को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। न्यायाधीश के लिए निर्धारित सम्मान प्रक्रिया किसी दूसरे व्यक्ति के लिए अपनाए जाने की चर्चा ने अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं।

ओवैसी और चंद्रशेखर की प्रेस कान्फ्रेंस कैंसिल

सर्किट हाउस में शनिवार को नगीना सांसद चंद्रशेखर और एआईएमआईएम चीफ ओवैसी की प्रेस कान्फ्रेंस होनी थी। दोनों सर्किट हाउस में पहुंच चुके थे। दोनों सर्किट हाउस के कमरे में बैठकर बातचीत कर रहे थे। लेकिन अचानक से प्रेस कान्फ्रेंस को कैंसिल कर दिया गया। इसके बाद दोनों नेता डीएम से मुलाकात करने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपा।

'परिसीमन बिल पास कराने के लिए सांसदों को 150 करोड़ का ऑफर', संजय राउत का सनसनीखेज दावा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने परिसीमन बिल को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। उनका कहना है कि केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार इस बिल को पास कराने के लिए सांसदों को 150 करोड़ रुपये तक का ऑफर दे रही है। राउत ने दावा किया कि दो दिन पहले तक यह रकम 100 करोड़ रुपये बताई जा रही थी, जो अब बढ़ाकर 150 करोड़ रुपये कर दी गई है। शुक्रवार को छत्रपति संभाजीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान राउत ने कहा कि बड़ी संख्या में सांसदों से संपर्क किया जा रहा है और उन्हें परिसीमन बिल के समर्थन के बदले मोटी रकम देने की पेशकश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर महाराष्ट्र के सांसद इस बिल का समर्थन करते हैं तो इस कथित ऑफर के आंकड़े को याद रखा जाना चाहिए। हालांकि, राउत ने यह नहीं बताया कि किन नेताओं या सांसदों से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत भी पेश नहीं किया।

अमित शाह के बार-बार मुंबई आने पर भी उठाए सवाल

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लगातार मुंबई दौरे पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसदों को समर्थन के लिए कथित तौर पर दी जाने वाली रकम का लेनदेन मुंबई के जरिए हो सकता है। राउत ने सवाल किया कि जब संसद का सत्र बुलाया नहीं जा रहा है तो अमित शाह बार-बार मुंबई क्यों आ रहे हैं? उन्होंने पूछा कि आखिर यहां किस तरह के लेनदेन हो रहे हैं?

परिसीमन बिल पर फिर तेज हुई राजनीतिक हलचल

संजय राउत के ये आरोप ऐसे समय में आए हैं, जब केंद्र सरकार परिसीमन और संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने से जुड़े विधेयकों के लिए दोबारा समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में पेश किया गया संविधान संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को लोकसभा में जरूरी विशेष बहुमत हासिल नहीं कर पाया था। इसके बाद इससे जुड़े परिसीमन विधेयक और एक अन्य आश्रित विधेयक को आगे नहीं बढ़ाया गया। अब सरकार इस मुद्दे पर नए सिरे से विधायी पहल करने पर विचार कर रही है।

मणिपुर में जहरीली शराब से 15 की मौत, 150 मरीज अस्पताल में भर्ती, जांच के आदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को मणिपुर में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह त्रासदी कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की लापरवाही का नतीजा है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने लोगों की मौत पर दुख जताया, अस्पताल में भर्ती लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की, और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को समय रहते मुआवजा देने की मांग की। मणिपुर में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ और मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की लापरवाही का नतीजा है। पहले हिंसा ने सैकड़ों घरों को तबाह कर दिया, और अब जहरीली शराब उन्हें बर्बाद कर रही है। लेकिन सरकार अभी भी सोई हुई है। कांग्रेस सांसद ने कहा, 'जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवारों को बिना किसी देरी के पूरी मदद और उचित मुआवजा मिलना चाहिए।' चंदेल जिले के चाकपी कारोंग में स्थानीय स्तर पर बनी शराब पीने से हुए संदिग्ध मेथनॉल विषाक्तता (पॉइजनिंग) के मामले में कम से कम 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। इसके अलावा, लगभग 150 मरीजों का इंफाल के शिजा हॉस्पिटल्स एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट में इलाज चल रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, प्रभावित लोग मुख्य रूप से चंदेल जिले के चाकपी कारोंग और आसपास के इलाकों के रहने वाले हैं, जिनमें वयस्क और अधेड़ उम्र के लोग शामिल हैं। अस्पताल लाए गए कई लोगों में मेथनॉल विषाक्तता के लक्षण दिखे हैं। आशंका है कि यह जहरीला पदार्थ मिली हुई स्थानीय शराब पीने की वजह से हुआ है। इस बीच, मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को शिजा अस्पताल और बबीना अस्पताल जाकर मरीजों का हाल जाना और इलाज की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को मरीजों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया और चंदेल के लिए जरूरी दवाओं के साथ एक विशेषज्ञ मेडिकल टीम भेजी। राज्य सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वहीं, चंदेल जिला प्रशासन ने एक सार्वजनिक एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की है कि वे संदिग्ध स्रोत वाली स्थानीय शराब न पिएं और अगर उन्हें कहीं अवैध शराब का कारोबार होता दिखे, तो इसकी सूचना दें।

अरुणाचल प्रदेश के विकास और देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है सियांग परियोजना : शाह



ईटानगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में प्रस्तावित 11,200 मेगावाट की 'सियांग अपर मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट' (एसयूएमपी) को अरुणाचल प्रदेश के विकास और देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। श्री शाह ने सियांग क्षेत्र के लोगों, विशेषकर आदि समुदाय को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार बातचीत के जरिए उनकी चिंताओं का समाधान करेगी और उनकी सांस्कृतिक पहचान, अधिकारों तथा हितों से कोई समझौता नहीं करेगी। बांदरदेवा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र (पीटीसी) में अरुणाचल प्रदेश पुलिस को प्रतिष्ठित 'प्रेसिडेंट्स पुलिस कलर्स' से सम्मानित करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए श्री शाह ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी जलविद्युत परियोजना भारत की ऊर्जा क्षमता को बढ़ायेगी और राज्य की आर्थिक वृद्धि तथा राजस्व सृजन में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

पब्लिक पार्क में फोटो खींच रहे जोड़े पर हमला: डंडों से पीटा, वीडियो वायरल होने के बाद 8 नाबालिग हिरासत में, इलाके में गरमाई सियासत!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के कुर्ला इलाके में एक सार्वजनिक उद्यान (पब्लिक पार्क) में फोटो खींच रहे एक जोड़े के साथ मारपीट और बदसलूकी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शुक्रवार, 20 नवंबर को फीनिक्स मॉल के पास स्थित एक गार्डन में हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है, जिसके बाद हरकत में आई मुंबई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आठ नाबालिग लड़कों को हिरासत में ले लिया है। इस घटना के सामने आने के बाद स्थानीय स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं और राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। आरोप है कि जब यह जोड़ा फोटो खींच रहा था, तब इन लड़कों ने भद्दी टिप्पणियां कीं। जब जोड़े ने इसका विरोध किया, तो लड़कों के एक समूह ने उन पर हमला कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस समूह में 8 से 10 लड़के शामिल थे। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल फोन पर इस घटना को रिकॉर्ड कर लिया। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि लड़कों का समूह जोड़े पर डंडों जैसी चीजों से हमला कर रहा है। लड़कों ने कुछ दूर तक सीढ़ियों पर उनका पीछा भी किया।

डीसीपी गणेश शिंदे ने बताया कि जोड़े की शिकायत पर पुलिस ने आठ नाबालिगों को हिरासत में लिया है और मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपियों को 'जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड' (किशोर न्याय बोर्ड) के सामने पेश किया जाएगा। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 189(2) (गैर-कानूनी जमावड़ा), 189(4) (घातक हथियार या हथियार के रूप में इस्तेमाल की जा सकने वाली वस्तु के साथ गैर-कानूनी जमावड़े का हिस्सा होना), 118(1) (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) और 351(2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि हमले के दौरान पुरुष शिकायतकर्ता को डंडों से पीटने के साथ-साथ लात-घूंसे भी मारे गए। बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने वीडियो में दिख रहे जोड़े को हिंदू बताया और हमलावर लड़कों को 'मुस्लिम कट्टरपंथी' करार दिया। शनिवार, 21 नवंबर को '' (ट्विटर) पर मराठी भाषा में किए गए एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'घाटकोपर में फीनिक्स मॉल के पास मुस्लिम कट्टरपंथियों ने हिंदू युवक-युवती पर हमला किया।'

एफआईआर दर्ज होने का जिक्र करते हुए उन्होंने आगे कहा, 'इनमें से 5 लड़कों के माता-पिता को नोटिस भेजे गए हैं। मैं आज शाम 4 बजे इस इलाके का दौरा करूंगा।' शिवसेना (यूबीटी) नेता इंतखाब फारूकी ने भी इस घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि ऐसी घटनाएं निंदनीय हैं।

बजरंग दल के कार्यकर्ता गार्डन पहुंचे और घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पार्क के चौकीदार की कड़ी आलोचना की और सवाल उठाया कि अगर पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो फिर इस जगह को खुला रखने का क्या मतलब है? संगठन के सदस्यों ने यह चेतावनी भी दी कि अगर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) - जो इस पार्क का प्रबंधन करता है - आने वाले दिनों में सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर नहीं करता है, तो वे खुद मामले को अपने हाथों में ले लेंगे।

अविवाहित माता-पिता वाले बच्चे पर मां का ज्यादा हक, सुप्रीम कोर्ट ने बाप को बाद में रखा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। बिना शादी बच्चे को जन्म देने वालों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अविवाहित माता-पिता से जन्में बच्चे की कस्टडी (संरक्षण) के लिए मां का दावा पहली नजर में अधिक मजबूत होता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि न भारतीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों में भी अविवाहित माता-पिता की संतान की कस्टडी के लिए मां के अधिकार को ही प्राथमिकता दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने यूके के कानून का भी उदाहरण दिया।

मां को सौंप दिया बच्चा

बेंच ने चार साल के बच्चे को उसकी जर्मन मां को सौंपते हुए यह टिप्पणी की है। मां अपने बेटे को सिंगापुर ले जाना चाहती थी, जहां वह काम करती है।

जबकि बच्चे के भारतीय पिता ने महिला की मांग का विरोध करते हुए कहा कि बच्चे को देश से बाहर नहीं जाने दिया जाए। शीर्ष अदालत ने फैसले में कहा कि 'अविवाहित माता-पिता से जन्म लेने वाले संतान की कस्टडी के लिए मां का दावा प्रथम दृष्टया अधिक मजबूत होता है।' हालांकि अदालत ने फैसले में यह स्पष्ट किया कि यह फैसला केवल अंतरिम कस्टडी के लिए मां के प्रथम दृष्टया दावे तक सीमित है। इसका प्रभाव परिवार न्यायालय में चल रही गार्जियनशिप (संरक्षकता) की कार्यवाही पर नहीं पड़ेगा।

यूके के कानून का जिक्र

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में यूनाइटेड किंगडम के चिल्ड्रन एक्ट, 1989 का भी उल्लेख किया, जिसके अनुसार अविवाहित माता-पिता से पैदा हुए बच्चे की जिम्मेदारी मुख्य रूप से मां की होती है, जबकि पिता को यह जिम्मेदारी कुछ कानूनी शर्तों के पूरा होने पर ही मिल सकती है। फैसले में यह भी बताया गया कि भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 की धारा 8 के तहत, विवाह के बाहर पैदा हुए बच्चे का मूल निवास (डोमिसाइल) उसकी मां के मूल निवास के आधार पर ही तय होता है। सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी सिद्धांतों के इस व्यापक नजरिए को मानते हुए कहा कि अविवाहित माता-पिता से पैदा हुए बच्चे की कस्टडी (संरक्षण) के मामले में मां को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

2015 के फैसले का दिया उदाहरण

सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम राहत के लिए ट्रिपल टेस्ट यानी तीन शर्तों के आधार पर कस्टडी के दावों की जांच की, जिसमें प्रथम दृष्टया मामला, सुविधा का संतुलन और अपूरणीय क्षति। पीठ ने 81 पन्नों के अपने फैसले में पहली शर्त पर विचार करते हुए 'एबीसी बनाम एनसीटी ऑफ दिल्ली' के मामले में 2015 में पारित फैसले का उल्लेख किया।

संपादक की कलम

7% विकास दर का डंका



ललित शर्मा
संपादक

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निर्णायक मोड़ 21 नवंबर 2026 का दिन भारतीय अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से अनेक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रमों और भविष्य की आर्थिक संभावनाओं का संकेत दे रहा है एक तरफ केंद्रीय बजट 2027-28 की तैयारियां तेज हो चुकी हैं,दूसरी तरफ सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार, जीएसटी चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के मामले आर्थिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत की लगभग 7 प्रतिशत आर्थिक विकास दर का उदाहरण देकर अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ब्याज दर नीति की आलोचना करना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की आर्थिक स्थिति को चर्चा के केंद्र में ले आया है। सोने की कीमतों में गिरावट,सोने की शुद्धता जांचने की तकनीक पर उठते सवाल,भारत - यूरोपीय संघ व्यापार संबंध, सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता और चीन के मुकाबले क्षेत्रीय सहयोग की रणनीति भी इसी बदलते आर्थिक परिदृश्य के महत्त्वपूर्ण हिस्से हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि सवाल केवल यह नहीं है कि भारत कितनी तेजी से विकास करेगा,बल्कि यह भी है कि विकास का लाभ आम नागरिक, युवा, किसान,उद्यमी और रोजगार तलाश रहे लोगों तक कितनी पारदर्शिता से पहुंचेगा। साथियों बात अगर हम ट्रंप का भारत की विकास दर का उदाहरण : वैश्विक आर्थिक मंच पर भारत की चर्चा को समझने की करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 20 नवंबर 2026 को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर नीति पर तीखी आलोचना की। उन्होंने केंद्रीय बैंक को राजनीतिक बताते हुए आरोप लगाया कि अच्छे आर्थिक आंकड़े आने के बाद भी ब्याज दरें बढ़ाकर अमेरिकी विकास की गति प्रभावित की जाती है ।ट्रंप ने भारत का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत में अपेक्षाकृत कम ब्याज दरों के साथ लगभग 7 प्रतिशत आर्थिक विकास हो रहा है और यदि अमेरिका में भी ब्याज दरें कम रखी जाएं तो उसकी अर्थव्यवस्था 14,15 अथवा 20 प्रतिशत तक बढ़ सकती है ।उन्होंने यह भी दावा किया कि कम ब्याज दरों से अमेरिका तेजी से विकास कर अपना राष्ट्रीय कर्ज चुकाने में सक्षम होगा ।यह बयान भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिष्ठा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है । भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। अक्टूबर 2026 की मौद्रिक नीति समीक्षा में आरबीआई ने रेपो दर 5.50 प्रतिशत निर्धारित की थी ।लेकिन यहां एक आर्थिक अंतर समझना जरूरी है। ब्याज दरें घटाने से कर्ज सस्ता हो सकता है, निवेश और उपभोग को प्रोत्साहन मिल सकता है, परंतु इससे अपने आप 15 से 20 प्रतिशत विकास दर हासिल नहीं होती। केंद्रीय बैंकों को महंगाई, मुद्रा स्थिरता, रोजगार, ऋण और वित्तीय जोखिमों का संतुलन बनाना पड़ता है । अमेरिका में फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता भी इसी संस्थागत व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है । अत : ट्रंप का 20 प्रतिशत विकास वाला दावा राजनीतिक एवं आर्थिक अनुमान है, कोई प्रमाणित पूर्वानुमान नहीं ।भारत के लिए वास्तविक उपलब्धि यह होगी कि वह महंगाई नियंत्रित रखते हुए निवेश, उत्पादन, निर्यात और रोजगार में निरंतर वृद्धि हासिल करे। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार और कर चोरी : आर्थिक विकास की जड़ों पर दोहरे प्रहार को समझने की करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में सरकारी भ्रष्टाचार और कर चोरी शामिल हैं । हरियाणा के पंचकूला में केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर विभाग में तैनात अधीक्षक लवकुश कुमार को 19 नवंबर 2026 को कथित रूप से 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो ने रंगे हाथों पकड़ा।

भारत जापान की नई रणनीतिक धूरी से बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा

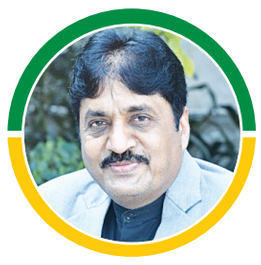

ललित गर्ग
लेखक



19 नवंबर 2026 को टोक्यो में हुई चैथी भारत-जापान 2+2 विदेश एवं रक्षा मंत्रिस्तरीय वार्ता केवल दो देशों के बीच एक कूटनीतिक बैठक नहीं थी, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था में भारत की बढ़ती भूमिका का सशक्त संकेत थी। भारत की ओर से रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर तथा जापान की ओर से विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने जिस व्यापक रणनीतिक दृष्टि के साथ संवाद किया, उसने भारत-जापान संबंधों को सुरक्षा, तकनीक, समुद्री सहयोग, आर्थिक सुरक्षा और वैश्विक शासन के नए आयामों से जोड़ा है। इस वार्ता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि भारत अब केवल वैश्विक शक्ति-संतुलन का दर्शक नहीं, बल्कि उसे आकार देने वाली शक्ति बन रहा है। जापान के साथ बढ़ता सहयोग इसी परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। दोनों देशों ने स्वतंत्र, खुले, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की प्रतिबद्धता दोहराई तथा समुद्री और वायु क्षेत्र की निगरानी, सूचना-साझेदारी, खोज एवं बचाव, साइबर सुरक्षा, एआई तथा रक्षा उद्योग में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। भारत में जापानी आत्मरक्षा बलों द्वारा फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में समझौता और 'डिजाइन विद जापान, मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने की सहमति इस साझेदारी को घोषणाओं से निकालकर व्यावहारिक धरातल पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यहां रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की रक्षा नीति अब केवल हथियार खरीदने तक सीमित नहीं है, उसका लक्ष्य देश को रक्षा उत्पादन, तकनीक, अनुसंधान और निर्यात की दृष्टि से सक्षम बनाना है। हाल ही में रक्षा मंत्री ने बताया कि भारत का रक्षा उत्पादन 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है और रक्षा निर्यात 38,000 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंचा है। जापान के साथ रक्षा-तकनीक और औद्योगिक सहयोग इस आत्मनिर्भरता को अंतरराष्ट्रीय तकनीकी साझेदारी से जोड़ सकता है। दूसरी ओर डॉ. एस. जयशंकर भारत की उस विदेश नीति के प्रमुख सूत्रधारों में हैं जिसने भारत को 'किसी एक खेमे' की शक्ति के बजाय अपने हितों और सिद्धांतों के आधार पर विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ संवाद करने वाली प्रभावशाली शक्ति बनाया है। जापान के साथ रणनीतिक विश्वास, क्वाड जैसे मंचों पर सहयोग, हिंद-प्रशांत की स्थिरता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के लिए पारस्परिक समर्थन इसी व्यापक कूटनीतिक दृष्टि के हिस्से हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे की स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन भी दोहराया है। लेकिन इस पूरी तस्वीर को समझने के लिए इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक विदेश नीति और 'विकसित भारत' के संकल्प से जोड़कर देखना आवश्यक है। प्रधानमंत्री की विदेश नीति में सुरक्षा और अर्थव्यवस्था अलग-अलग विषय नहीं हैं। आज भारत जिस देश से रक्षा तकनीक लेता है, उसके साथ व्यापार बढ़ाता है। जहां निवेश आकर्षित करता है, वहां भारतीय उद्योग के लिए बाजार भी खोजता है और जहां रणनीतिक सहयोग करता है, वहां भारतीय प्रतिभा, तकनीक और संस्कृति की प्रतिष्ठा भी स्थापित करता है। यही विदेश नीति को आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा से जोड़ने की नई भारतीय शैली है। 19 नवंबर को ही नई दिल्ली में फिक्की के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने उद्योग जगत के सामने इसी दृष्टि को अत्यंत स्पष्टता से रखा। फिक्की का सम्मेलन 'भारत 2047' की थीम पर हुआ और इसमें उद्योग जगत, राजनयिकों, नीति-निमार्ताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने उद्योग से कहा कि अगले 20 वर्षों के प्रत्येक दीर्घकालिक निवेश निर्णय का आधार 'इंडिया फर्स्ट' होना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का विशाल घरेलू बाजार उद्योग का 'कम्फर्ट जोन' नहीं बनना चाहिए, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा का आत्मविश्वास पैदा करने वाला आधार बनना चाहिए। यहीं टोक्यो की 2+2 बैठक और फिक्की के मंच का अद्भुत संबंध दिखाई देता है। एक ओर राजनाथ सिंह और जयशंकर भारत की सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति को विश्व में विस्तार दे रहे हैं, दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारतीय उद्योग को विश्व बाजार में उतरने का आह्वान कर रहे हैं। अर्थात भारत की विदेश नीति का अगला चरण केवल 'भारत के लिए दुनिया' नहीं, बल्कि 'दुनिया के लिए भारत' बनाने का चरण है। प्रधानमंत्री का संदेश केवल उद्योगपतियों के लिए नहीं है। विकसित भारत का निर्माण सरकार अकेले नहीं कर सकती। सरकार दिशा और वातावरण तैयार कर सकती है, लेकिन आर्थिक शक्ति उद्योग पैदा करता है, नवाचार युवा पैदा करते हैं, उत्कृष्टता वैज्ञानिक और पेशेवर पैदा करते हैं तथा भारत की प्रतिष्ठा सामान्य नागरिक के व्यवहार से भी बनती है। इसलिए आज आवश्यकता है कि भारतीय उद्योगपति केवल भारत में सफल होने की मानसिकता से आगे बढ़कर विश्व बाजारों में भारतीय ब्रांड की पहचान स्थापित करें। प्रधानमंत्री ने फिक्की में वैश्विक ग्राहकों की जरूरतों को समझने, स्थानीय बाजारों के अनुरूप उत्पाद बनाने, वैश्विक मानकों को अपनाने और मजबूत वितरण नेटवर्क विकसित करने पर विशेष जोर दिया। यह संदेश भारतीय उद्योग के लिए आर्थिक नीति से अधिक राष्ट्रीय दायित्व का संदेश है। इसी प्रकार प्रत्येक नागरिक का योगदान भी महत्वपूर्ण है। एक भारतीय जब ईमानदारी से अपना कार्य करता है, कानून का सम्मान करता है, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करता है, स्वच्छता और अनुशासन अपनाता है, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देता है और दुनिया के सामने भारत की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करता है, तब वह अनजाने में भारत की 'सॉफ्ट पावर' को मजबूत करता है। विश्वगुरु बनने का अर्थ केवल उपदेश देना नहीं, बल्कि दुनिया को अपने आचरण, ज्ञान, तकनीक, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और मानवीय मूल्यों से प्रभावित करना है। भारत-जापान संबंध इस यात्रा का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। जापान तकनीक, पूंजी, गुणवत्ता, अनुशासन और विनिर्माण संस्कृति का प्रतीक है, भारत विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, डिजिटल क्षमता, प्रतिभा और नवाचार की शक्ति रखता है। दोनों की क्षमताएं एक-दूसरे की पूरक हैं। रक्षा उद्योग से लेकर सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, साइबर सुरक्षा और एआई तक सहयोग के नए क्षेत्र दोनों देशों को आर्थिक और रणनीतिक रूप से अधिक मजबूत कर सकते हैं। वर्ष 2027 इस साझेदारी के लिए विशेष महत्व रखता है। भारत-जापान राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे और दोनों देशों ने इसे 'इंडिया-जापान ईयर ऑफ शेयर्ड हार्जिन्स' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह केवल स्मृतियों का उत्सव नहीं होना चाहिए, बल्कि साझा भविष्य की नई पटकथा लिखने का अवसर होना चाहिए। भारत के सामने आज एक ऐतिहासिक अवसर है। प्रधानमंत्री मोदी का 'विकसित भारत 2047' केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प है। स्वयं प्रधानमंत्री ने फिक्की में कहा कि विकसित भारत कोई नारा नहीं, बल्कि सभी भारतीयों द्वारा जीया जाने वाला संकल्प है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है-सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाए, उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो, युवा नवाचार का नेतृत्व करें, किसान उत्पादकता बढ़ाएं, वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें और प्रत्येक नागरिक अपने कार्यक्षेत्र में श्रेष्ठता तथा ईमानदारी का उदाहरण बने। टोक्यो की 2+2 बैठक हमें भारत की रणनीतिक शक्ति का संदेश देती है और फिक्की का मंच भारत की आर्थिक शक्ति का। इन दोनों को यदि भारतीय प्रतिभा, उद्योग, संस्कृति और नागरिक कर्तव्य से जोड़ दिया जाए तो भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा नई ऊंचाइयों पर पहुंच सकती है।

बिजली संकट की आहट: ऊर्जा नीति के दावों और जमीनी हकीकत के बीच भारत



डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक



बिजली किसी सरकार की उपलब्धियों का विज्ञापन भर नहीं, बल्कि उसकी विकास क्षमता की वास्तविक परीक्षा है। जब उद्योग उत्पादन रोकने को मजबूर हों, किसान सिंचाई के लिए बिजली का इंतजार करें, शहरों में गर्मी के दौरान कटौती हो और उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदनी पड़े, तब ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। भारत का बिजली क्षेत्र आज इसी विरोधाभास से जूझ रहा है। एक ओर रिकॉर्ड बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा विस्तार और भविष्य की बड़ी योजनाओं का उत्सव है, दूसरी ओर ईंधन संकट, कमजोर वितरण कंपनियां, अपर्याप्त भंडारण और मांग के दबाव जैसी चुनौतियां मौजूद हैं।

बिजली क्षेत्र की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि हमारी ऊर्जा योजना कई बार वास्तविक मांग के बजाय स्थापित क्षमता के आंकड़ों पर अधिक केंद्रित दिखाई देती है। कितने मेगावाट संयंत्र स्थापित हुए, कितनी सौर परियोजनाएं शुरू हुईं और कितनी नई योजनाओं की घोषणा हुई-इन आंकड़ों से विकास का आकलन किया जाता है। लेकिन उपभोक्ता के लिए असली सवाल यह है कि जरूरत पड़ने पर बिजली उपलब्ध है या नहीं। स्थापित क्षमता और वास्तविक आपूर्ति के बीच का अंतर ही ऊर्जा नियोजन की गंभीर चुनौती है। बिजली संयंत्र का होना और उसका संकट के समय लगातार उत्पादन करना दो अलग-अलग बातें हैं।

कोयले पर निर्भरता कम करने की बात वर्षों से हो रही है, लेकिन ताप विद्युत अभी भी भारतीय बिजली व्यवस्था की रीढ़ है। इस निर्भरता को स्वीकार करने के बजाय कई बार ऊर्जा संक्रमण की बहस को केवल स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार तक सीमित कर दिया जाता है। कोयले की आपूर्ति, रेलवे परिवहन, संयंत्रों में पर्याप्त भंडार और उत्पादन इकाइयों के रखरखाव पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया तो संकट के समय सारी योजनाएं कागज पर ही रह जाएंगी। ऊर्जा नीति में विरोधाभास नहीं, व्यावहारिकता चाहिए। जब तक वैकल्पिक स्रोत पर्याप्त, स्थिर और आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं बनते, तब तक पारंपरिक उत्पादन व्यवस्था को कमजोर करना जोखिमपूर्ण होगा।

सौर ऊर्जा का विस्तार निश्चित रूप से भविष्य की जरूरत है, लेकिन केवल सूरज चमकने के समय बिजली उपलब्ध होना ऊर्जा सुरक्षा नहीं है। शाम होते ही सौर उत्पादन घटता है, जबकि घरेलू और व्यावसायिक मांग कई क्षेत्रों में बढ़ जाती है। इस अंतर को भरने के लिए बैटरी भंडारण, पंप्ड स्टोरेज, जल विद्युत, परमाणु ऊर्जा और पर्याप्त नियंत्रित उत्पादन क्षमता की जरूरत है। सवाल यह है कि क्या हमारी योजनाएं इन व्यवस्थाओं को उसी गंभीरता से विकसित कर रही हैं, जिस गंभीरता से सौर क्षमता के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं? यदि भंडारण और ग्रिड की तैयारी पीछे रह गई, तो नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार भी नई अस्थिरता पैदा कर सकता है।

बिजली वितरण कंपनियों की वित्तीय बदहाली इस संकट का एक ऐसा पहलू है जिसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वर्षों से घाटे में चल रही वितरण कंपनियां, तकनीकी नुकसान, बिजली चोरी, कमजोर बिलिंग व्यवस्था और राजनीतिक दबाव के कारण आर्थिक रूप से कमजोर होती रही हैं। मुफ्त बिजली और सब्सिडी की राजनीति अपनी जगह है, लेकिन यदि उसका भुगतान समय पर और पारदर्शी तरीके से नहीं होता, तो अंततः नुकसान बिजली व्यवस्था को उठाना पड़ता है। उपभोक्ता को राहत देने के नाम पर वितरण कंपनियों को वित्तीय संकट में छोड़ देना दूरदर्शी नीति नहीं है। सरकारों को यह समझना होगा कि कमजोर डिस्कॉम के सहारे विश्वस्तरीय बिजली व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती।

पारेषण व्यवस्था भी बिजली क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण कमजोरी है। बिजली उत्पादन बढ़ा देना पर्याप्त नहीं, यदि उसे जरूरत वाले क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए नेटवर्क मजबूत न हो। कई बार बिजली की उपलब्धता और बिजली की जरूरत अलग-अलग क्षेत्रों में होती है, लेकिन सीमित पारेषण क्षमता के कारण उसका प्रभावी उपयोग नहीं हो पाता। आधुनिक ट्रांसमिशन लाइनें, अंतरराज्यीय नेटवर्क, स्मार्ट ग्रिड और तकनीकी निगरानी पर निवेश अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है। बिजली व्यवस्था में एक कमजोर कड़ी पूरे तंत्र को प्रभावित कर सकती है।

बढ़ती बिजली मांग को भी अब सामान्य वृद्धि मानकर नहीं चलाया जा सकता। औद्योगिकीकरण, डिजिटल अर्थव्यवस्था, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन, शहरीकरण और बढ़ती गर्मी ने बिजली की जरूरतों का स्वरूप बदल दिया है। आने वाले वर्षों में केवल पुराने मांग अनुमान पर्याप्त नहीं होंगे। सरकार, बिजली कंपनियों और नियामकों को भविष्य की जरूरतों का वास्तविक आकलन करना होगा। अन्यथा हर गर्मी, हर औद्योगिक विस्तार और हर मांग वृद्धि के साथ संकट प्रबंधन की स्थिति पैदा होती रहेगी।

ऊर्जा क्षेत्र में सुधार का अर्थ केवल नई परियोजनाओं की घोषणा करना नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करना भी है। बिजली खरीद में पारदर्शिता, वितरण कंपनियों के घाटे का वास्तविक आकलन, समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन, स्मार्ट मीटरिंग, ऊर्जा दक्षता और मांग प्रबंधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उद्योगों को ऊर्जा बचत के लिए प्रोत्साहित किया जाए और घरेलू उपभोक्ताओं को भी दक्ष उपकरणों तथा बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक बनाया जाए। बिजली की बचत केवल नैतिक अपील से नहीं, बल्कि तकनीक, प्रोत्साहन और प्रभावी नीति से संभव होगी।

भारत को ऊर्जा संक्रमण के नाम पर अव्यावहारिक लक्ष्य और बिजली संकट के नाम पर पुराने ढांचे से चिपके रहने-दोनों अतियों से बचना होगा। एक ओर पर्यावरणीय जिम्मेदारी है, दूसरी ओर आर्थिक विकास और करोड़ों उपभोक्ताओं की जरूरतें। इन दोनों के बीच संतुलन ही वास्तविक ऊर्जा नीति है। स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार हो, लेकिन उसके साथ भंडारण, ग्रिड, भरोसेमंद उत्पादन और आर्थिक स्थिरता भी विकसित हो।

बिजली क्षेत्र की सफलता का पैमाना मेगावाट की घोषणाएं नहीं, बल्कि निर्बाध आपूर्ति, उचित बिल, मजबूत वितरण व्यवस्था और संकट के समय उपलब्ध ऊर्जा होना चाहिए। भारत को ऐसी बिजली व्यवस्था चाहिए जो केवल आंकड़ों में विशाल न हो, बल्कि नागरिकों के जीवन में भरोसेमंद हो। आखिर विकास का उजाला तभी सार्थक है, जब वह घोषणा-पत्रों और आंकड़ों से निकलकर घरों, खेतों, अस्पतालों और उद्योगों तक बिना बाधा पहुंचे। यही भारत की ऊर्जा नीति की असली कसौटी है।

सहयोग ही जीवन का सबसे बड़ा आधार है

किशन भावनानीं
कविता



जो आज किसी के जीवन में,सहयोग का दीप जलाता है,
वही समय आने पर अपने लिए,सहारे का संसार पाता है।
नि :स्वार्थ भाव से बढ़ाया हाथ, कभी व्यर्थ नहीं जाता है,
मानवता का सच्चा बीज, बनकर विश्वास लौट आता है।

जो दूसरों के दर्द को समझे, वही इंसान कहलाता है,
जो डूबते को हाथ थमाए, वही सच्चा धर्म निभाता है।
सुख हो या संकट की घड़ियाँ, साथ निभाना सीखें हम,
एक-दूसरे के बनकर सहारे, खुशियों से भर दें जीवन।

अकेले चलकर राहों में,हर मुश्किल आसान नहीं होती,
बिना परस्पर सहयोग के,कोई मंजिल आसान नहीं होती।
जब हाथों में हाथ मिलेंगे,हर बाधा छोटी हो जाएगी,
एकता और सद्भाव की शक्ति,हर मुश्किल हर जाएगी।

न ऊँच-नीच का भेद रहे,न स्वार्थ का कोई बंधन हो,
हर दिल में करुणा का सागर,हर हाथ में अपनापन हो।
जो किसी के काम आए,कल उसका भी सहारा बनता है
सहयोग से ही मानव जीवन,सुन्दर और सफल बनता है।

मिलकर प्रण यह लें,हर जरूरतमंद का साथ निभाएँ,
किसी की राह कठिन हो तो,बनकर रोशनी उसे दिखाएँ।
किशन सहयोग की भावना से, हर संकट पर विजय पाएँ
एक-दूसरे का हाथ थामकर,सुंदर समाज बनाएँ।

जीटीए-6 (ग्रैंड थेफ़्ट ऑटो) गेम्स का वैश्विक पदार्पण



संजीव ठाकुर
लेखक



जब से जीटीए-6 (ग्रैंड थेफ़्ट ऑटो) गेम्स का वैश्विक अवतरण हुआ है तब से युवा बूढ़े और बच्चे इस वीडियो गेम से प्रभावित हो गए हैं और इसकी लांचिंग के साथ ही इसकी बिक्री के वैश्विक रिकॉर्ड टूटते नजर आ रहे हैं, इस वीडियो गेम ने पुराने सारे बिक्री के रिकार्ड ध्वस्त कर दिए हैं। आज वीडियो गेम केवल बच्चों के मनोरंजन का साधन नहीं रह गए हैं, बल्कि वे वैश्विक अर्थव्यवस्था, तकनीकी विकास, डिजिटल संस्कृति और मनोरंजन उद्योग के बड़े हिस्सेदार बन चुके हैं। इसी बदलती दुनिया में ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-6 (GTA 6) ने अपनी धमाकेदार लॉन्चिंग के साथ पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। 19 नवंबर 2026 को जारी हुआ यह गेम अपने शुरूआती प्रदर्शन से ही वीडियो गेम उद्योग में एक नया कीर्तिमान स्थापित करता दिखाई दे रहा है। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लॉन्च के तुरंत बाद इसकी बिक्री और कमाई के आंकड़े दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गए हैं। 1997 में अपनी साधारण शुरूआत से लेकर 2026 में 'जीटीए 6' के ऐतिहासिक लॉन्च तक, रॉकस्टार गेम्स की ग्रैंड थेफ्ट ऑटो श्रृंखला ने वीडियो गेमिंग की परिभाषा को पूरी तरह बदल दिया है। आज जीटीए केवल एक गेम नहीं, बल्कि वैश्विक मनोरंजन उद्योग का सबसे बड़ा व्यावसायिक और सांस्कृतिक प्रतीक बन चुका है। इसकी लोकप्रियता और प्रभाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसकी रिलीज केवल गेमिंग की दुनिया तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह वैश्विक अर्थव्यवस्था, कार्यस्थलों और पॉप कल्चर को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। जीटीए की यात्रा 1997 में एक टॉप-डाउन 2ऊगेम के रूप में शुरू हुई थी। शुरूआती दौर में यह एक विवादित लेकिन रोचक प्रयोग था। हालांकि, असली क्रांति 2001 में 'जीटीए 3' के साथ आई, जिसने गेमिंग जगत को 3ऊ 'ओपन-वर्ल्ड' का नया अनुभव दिया। खिलाड़ियों को एक विशाल काल्पनिक शहर में अपनी मर्जी से घूमने, मिशन चुनने और कहानी को अपने हिसाब से जीने की आजादी मिली। इसके बाद 'वाइस सिटी' 'सैन एंड्रियास' और 'जीटीए 4' ने न केवल ग्राफिक्स और गेमप्ले के नए मानक स्थापित किए, बल्कि आधुनिक गेमिंग के भविष्य की नींव भी रखी। GTA 6 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विस्तृत और जीवंत आभासी दुनिया है। इसकी कहानी अमेरिका के काल्पनिक राज्य लियोनिडा और प्रसिद्ध वाइस सिटी के आसपास विकसित होती है। वाइस सिटी को अमेरिकी शहर मियामी से प्रेरित माना जाता है। इस बार कहानी के केंद्र में दो प्रमुख पात्र जेसन और लूसिया हैं, जिनकी जिंदगी अपराध, संघर्ष, महत्वाकांक्षा और आपसी संबंधों के इर्द-गिर्द घूमती है। दोनों पात्रों की कहानी के माध्यम से खेल में अपराध की दुनिया के साथ मानवीय संबंधों और जीवन की जटिलताओं को भी स्थान मिला है। व्यावसायिक सफलता के मामले में जीटीए श्रृंखला का कोई सानी नहीं है। 1997 में अपनी शुरूआत के बाद से इस फ्रेंचाइजी की दुनिया भर में 47 करोड़ (470 मिलियन) से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। 2013 में रिलीज हुए 'जीटीए 5' ने इतिहास रचते हुए पहले ही दिन 80 करोड़ डॉलर (800 मिलियन डॉलर) का कारोबार किया था और अब तक इसकी लगभग 23 करोड़ प्रतियां बिक चुकी हैं, जिससे यह दुनिया के तीन सबसे ज्यादा बिकने वाले वीडियो गेम्स में शामिल हो गया है। 'जीटीए ऑनलाइन' के माध्यम से इस अकेले टाइटल ने 13 वर्षों में 10 अरब डॉलर से अधिक का राजस्व अर्जित किया। इसके अतिरिक्त, गेमिंग की बढ़ती लत, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठे रहना, ऑनलाइन खरीदारी और आभासी दुनिया में अत्यधिक समय बिताना भी चिंता के विषय हैं। विशेषकर किशोरों में पढ़ाई, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक संबंधों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। तकनीक का उद्देश्य जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए, न कि जीवन के वास्तविक अनुभवों का स्थान ले लेना।

भारत के लिए भी संभावनाओं का संकेत

भारत के संदर्भ में भी मोबाइल गेमिंग और डिजिटल मनोरंजन का बाजार तेजी से विकसित हुआ है। देश में युवा आबादी, स्मार्टफोन का विस्तार, इंटरनेट की उपलब्धता और डिजिटल भुगतान की बढ़ती स्वीकार्यता इस उद्योग के विकास के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार कर रही हैं। GTA 6 जैसी वैश्विक सफलताएं भारतीय गेमिंग उद्योग के सामने एक महत्वपूर्ण अवसर रखती हैं। भारत के युवा केवल गेम खेलने वाले उपभोक्ता बनकर न रहें, बल्कि गेम डिजाइनिंग, एनीमेशन, प्रोग्रामिंग, कहानी लेखन और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में विश्वस्तरीय उत्पाद तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ें। GTA 6 का धमाल आधुनिक विज्ञान, तकनीक, रचनात्मकता और बाजार की सामूहिक शक्ति का परिचायक है। इसके शुरूआती कारोबारी आंकड़े बताते हैं कि डिजिटल मनोरंजन अब वैश्विक अर्थव्यवस्था की बड़ी ताकत बन चुका है। लेकिन किसी भी तकनीकी उपलब्धि का मूल्यांकन केवल उसकी कमाई और लोकप्रियता से नहीं होना चाहिए। उसके सामाजिक प्रभाव, मानवीय मूल्यों और नई पीढ़ी पर पड़ने वाले असर को भी महत्व देना होगा। हमें ऐसी तकनीकी दुनिया का निर्माण करना है जहां मनोरंजन के साथ ज्ञान, रचनात्मकता और मानवीय संवेदनाओं का भी विकास हो। आखिरकार तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, उसका वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के जीवन को समृद्ध बनाना ही होना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को लेकर जिलाधिकारी और एसपी ने किया अस्थायी पाटून पुल का निरीक्षण

तिगरी मेले को गढ़ गंगा मेले से जोड़ने वाले पुल पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता





हापुड़। गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को सकुशल एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों को गति दे दी है। मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आवागमन की व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक ने गढ़ गंगा मेले को जनपद अमरोहा के तिगरी मेले से जोड़ने वाले अस्थायी पाटून पुल का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने पुल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पुल के माध्यम से दोनों जनपदों के बीच श्रद्धालुओं के आवागमन को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गढ़ गंगा और तिगरी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुल पर आवागमन को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और पुल से आवागमन के समय सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन कराया जाए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्थायी पाटून पुल पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा जाए तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही पर सतर्क निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य गढ़ गंगा कार्तिक मेला-2026 को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और सकुशल संपन्न कराना है।

एसएसआर अभियान की जिलाधिकारी ने खुद ही संभाली कमान, लोगों से सीधा संवाद कर जानी पुनरीक्षण की स्थिति

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित कराने के लिए जिलाधिकारी कविता मीना ने स्वयं कमान संभालते हुए शनिवार को फील्ड में पहुंचकर अभियान की जमीनी हकीकत परखी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मोहल्लों और गांवों में पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद किया और मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने लोगों से बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया कि अभियान के तहत मतदाता सूची में नाम जोड़ने, अपात्र नाम हटाने और मतदाता विवरण में संशोधन कराने की प्रक्रिया किस प्रकार चल रही है। जिलाधिकारी ने नागरिकों से मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के पात्र सदस्यों का नाम जांचने की अपील की। उन्होंने नए मतदाताओं के पंजीकरण, सूची में दर्ज नामों के सत्यापन तथा नाम, पता और अन्य विवरणों में त्रुटि होने पर उन्हें ठीक कराने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने आमजन की समस्याओं और सवालों को गंभीरता से सुना तथा मतदाता सूची से जुड़ी प्रक्रिया के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध और अद्यतन होना निष्पक्ष एवं मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज होना आवश्यक है। इसलिए पुनरीक्षण अभियान के दौरान सभी पात्र नागरिक अपनी जानकारी की जांच करें और किसी प्रकार की त्रुटि या कमी मिलने पर उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत ठीक कराएं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

वीरेंद्र सिंह राजपूत ने ली बूथ अध्यक्षों एवं सेक्टर संयोजकों की बैठक

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



नूरपुर। डॉ. वीरेंद्र सिंह राजपूत, संभावित प्रत्याशी भाजपा, नूरपुर विधानसभा-24 ने ग्राम बूढपुर एवं नूरपुर के मोहल्ला इस्लामनगर में बूथ अध्यक्षों एवं सेक्टर संयोजकों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर संगठन को मजबूत बनाने तथा नए मतदाता बनवाने के अभियान को गति देने का आह्वान किया।नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बूढपुर एवं नूरपुर के मोहल्ला इस्लामनगर में आयोजित बैठकों में डॉ. वीरेंद्र सिंह राजपूत ने कार्यकताओं के साथ नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने तथा बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं से संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और क्षेत्र में पात्र नागरिकों से संपर्क करने की अपील की। बैठक में ग्राम बूढपुर से बूथ अध्यक्ष दिनेश कुमार (बूथ संख्या 244), ग्राम टंडेरा से हितेश सिंह (245), ग्राम बीरबलपुर से मनदीप सिंह (247) एवं मोहित (248), ग्राम धोलागढ़ से रतिराम सिंह (298), देवराज सिंह (243), बूथ अध्यक्ष यादराम सिंह तथा ग्राम बेड़ा से बूथ अध्यक्ष (250) उपस्थित रहे। वहीं, नूरपुर में आयोजित बैठक में जुगनू चौधरी सेक्टर प्रभारी, उमेश कुमार सेक्टर संयोजक, जीतू भुइयार मंडल उपाध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष राहुल सैनी (287), पुखराज सिंह (291), मान सिंह (292), संजीव कुमार (285) एवं विनीत भुइयार (286) सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में विशेष रूप से युवाओं एवं अन्य पात्र नागरिकों के नए वोट बनवाने, मतदाता सूची में छूटे हुए नाम जुड़वाने तथा प्रत्येक बूथ पर संगठन की सक्रियता और कार्यकताओं के आपसी समन्वय को बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यकताओं से अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने और बूथ स्तर पर लगातार संपर्क बनाए रखने की अपील की गई। इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र सिंह राजपूत ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर संपर्क कर पात्र युवाओं एवं नागरिकों के नए मतदाता पहचान पत्र बनवाने तथा मतदाता सूची में छूटे हुए नाम जुड़वाने के लिए सक्रियता से कार्य करें।

रामकथा सकुशल संपन्न कराने के बाद जनदरबार में बैठे राजा भैया, सुनीं लोगों की समस्याएं

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



कुंडा (प्रतापगढ़)। बेंती कोठी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का भव्य एवं धार्मिक आयोजन सकुशल संपन्न कराने के बाद जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक कुंवर रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया' एक बार फिर अपने परंपरागत जनसंपर्क के अंदाज में जनता के बीच नजर आए। रामकथा के आयोजन की व्यस्तताओं के बाद बेंती कोठी में आयोजित जनसुनवाई के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों और इलाकों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। जनदरबार में सुबह से ही फरियादियों और क्षेत्रीय लोगों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और स्थानीय समस्याओं से राजा भैया को अवगत कराया। किसी ने राजस्व संबंधी मामलों को रखा तो किसी ने प्रशासनिक स्तर पर लंबित समस्याओं के समाधान की अपेक्षा जताई। लोगों ने अपनी बात रखते हुए उनसे सहयोग और आवश्यक पहल की मांग की। राजा भैया ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए पहल करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने लोगों की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक प्रयास करने की बात कही। जनसुनवाई के दौरान उनका काफी समय लोगों के बीच बीता। गौरतलब है कि बीते दिनों बेंती कोठी में आयोजित बागेश्वर धाम सरकार की श्रीराम कथा को लेकर कुंडा क्षेत्र में व्यापक तैयारियां की गई थीं। कई दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। कथा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से संत-महात्माओं, विशिष्ट अतिथियों और श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। इतने बड़े धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के बाद राजा भैया का जनसुनवाई में बैठना उनके नियमित जनसंपर्क कार्यक्रम का हिस्सा रहा। राजा भैया की राजनीति में जनता से सीधा संवाद हमेशा चर्चा का विषय रहा है। समर्थकों का मानना है कि उनकी राजनीतिक सक्रियता का एक महत्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय लोगों से लगातार संपर्क बनाए रखना और उनकी समस्याओं को सुनना है। समर्थकों के मुताबिक, बड़े आयोजनों और राजनीतिक व्यस्तताओं के बावजूद आम लोगों से मुलाकात के लिए समय निकालना उनकी कार्यशैली की खास पहचान है।

कुंडा की राजनीति में राजा भैया का लंबे समय से प्रभाव रहा है। ऐसे में बेंती कोठी पर आयोजित जनसुनवाई को क्षेत्रीय लोगों के लिए अपनी बात सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। रामकथा के आध्यात्मिक वातावरण और हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता के बाद आयोजित इस जनसुनवाई ने एक बार फिर धार्मिक आयोजन से जनसंपर्क तक राजा भैया की सक्रियता को चर्चा में ला दिया। लोगों की समस्याएं सुनना और उनके समाधान के लिए संबंधित स्तर पर पहल करना जनप्रतिनिधि के दायित्व का अहम हिस्सा है। अब क्षेत्रीय लोगों को उम्मीद है कि जनदरबार में रखे गए मामलों पर संबंधित विभागों और अधिकारियों के स्तर पर भी प्रभावी कार्रवाई होगी।

बेटी की मौत पर मां ने जताई हत्या की आशंका, दोबारा पोस्टमार्टम की मांग

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत में विवाहिता की मौत के मामले में मृतका की मां ने पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पीड़ित मां ने पुलिस को शिकायत देकर कब्र से शव निकलवाकर दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जनपद मेरठ के थाना सरधना क्षेत्र के गांव औरंगनगर राडधना निवासी रुखसाना पत्नी इमामुद्दीन ने बताया कि उसने अपनी पुत्री अंजुम की शादी करीब आठ वर्ष पूर्व गांव गढ़ी दौलत निवासी युवक के साथ की थी। आरोप है कि बीती नौ नवंबर को उसकी पुत्री की मौत हो गई थी। महिला का आरोप है कि बेटी के पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने उसकी हत्या कर शव को दफना दिया। पीड़िता ने अपनी पुत्री की मौत को संदिग्ध बताते हुए कब्र से शव निकलवाकर दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। गंगेरू चौकी प्रभारी अंकुर भाटी ने बताया कि शिकायत मिली है। मामले की जांच

27 नवंबर को टांडा में सजेगी शायरी की महफिल, ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

हाजी सरफराज आलम करेंगे अध्यक्षता, मुईन शादाब संभालेंगे संचालन; देशभर के नामचीन शायर और कवि होंगे शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता





टांडा (रामपुर)। नगर में लंबे समय बाद बड़े स्तर पर ऑल इंडिया मुशायरा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। आगामी 27 नवंबर को पूर्व पालिकाध्यक्ष हाजी अब्दुल माजिद (मरहूम) की याद में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में देशभर के मशहूर शायर और कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को रूबरू कराएंगे। कार्यक्रम नगर पालिका कार्यालय के बराबर स्थित पालिका की जमीन पर आयोजित होगा। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मुशायरा कन्वीनर एवं मशहूर शायर जाहिद टांडवी ने बताया कि कार्यक्रम की सदारत मरहूम हाजी अब्दुल माजिद के बेटे और वर्तमान पालिकाध्यक्ष के पति एवं प्रतिनिधि हाजी सरफराज आलम करेंगे, जबकि मुशायरे का संचालन मुईन शादाब करेंगे। उन्होंने बताया कि देश के कई प्रतिष्ठित शायरों और कवियों ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दे दी है। कार्यक्रम में चरन सिंह बशर, मंजर भोपाली, माजिद देवबंदी, अल्ताफ जिया, अबरार काशिफ, हाशिम फिरोजाबादी, सलमान जफर, नौशाद अनगढ़, तालिब हमीद, सबा बलरामपुरी, निकहत अमरोहवी और हिमांशी बाबरा सहित कई नामचीन शायर एवं कवि अपनी रचनाएं प्रस्तुत करेंगे। इनकी मौजूदगी से मुशायरे में साहित्य और शायरी का विशेष रंग देखने को मिलेगा। जाहिद टांडवी ने बताया कि पूर्व पालिकाध्यक्ष हाजी अब्दुल माजिद को अदब और शायरी से विशेष लगाव था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने नगर में कई बड़े मुशायरों का आयोजन कराया था। उनकी इसी साहित्यिक रुचि और यादों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से उनके साहबजादे हाजी सरफराज आलम की सरपरस्ती में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुशायरे को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। लंबे समय बाद नगर में इतने बड़े स्तर पर आयोजित होने वाले इस साहित्यिक कार्यक्रम को लेकर शायरी और साहित्य प्रेमियों में उत्साह है। आयोजकों को उम्मीद है कि 27 नवंबर की शाम होने वाला यह आयोजन नगर के साहित्यिक माहौल को नई पहचान देगा।

वरिष्ठ समाजसेवी ठाकुर धीरेंद्र प्रताप सिंह बने हिंदू वाहिनी के जिलाध्यक्ष

वेलकम इंडिया संवाददाता



बिजनौर। हल्दौर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी ठाकुर धीरेंद्र प्रताप सिंह (सनातनी संगठन हिंदू वाहिनी) के जिला बिजनौर के जिलाध्यक्ष मनोनीत किए गए। उनकी नियुक्ति हिंदू वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अश्विनी कुमार मिश्रा ने की है। इसके अलावा शिवा राजपूत, जितेंद्र चौहान, योगेन्द्र कश्यप, कमल कुमार को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। अमित देवरा को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।

वही मयंक कुमार, पियूष रस्तोगी, राहुल राजपूत, सौरभ कश्यप, लव प्रताप, दीपांशु चौहान, दुष्यंत कुमार को संगठन का जिला मंत्री बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष अश्वनी कुमार मिश्रा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई संदेश देते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में पूरी टीम सनातन को जोड़ने का कार्य करेगी। बता दें कि धीरेंद्र प्रताप सिंह के दादा स्व. तिरमल सिंह (नेताजी) अपने समय में जिला बिजनौर के सम्मानित समाज सेवी रहे हैं। जिलाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने पूरी टीम की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष अश्विनी मिश्रा का आभार जताया है।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दंपति और दो मासूम बच्चियां हुई घायल, जिला अस्पताल किया गया रेफर







वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के बुढ़ाना मार्ग पर गांव जोगियाखेड़ा के समीप पिकअप गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार दंपति और दो मासूम बच्चियां घायल हो गईं। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। शनिवार को कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी सादिक अपनी पत्नी रिजवाना, छह माह की बेटी सबा, भाभी सदमा पत्नी आसिफ और चार वर्षीय भतीजी सना के साथ बाइक पर सवार होकर बुढ़ाना में रिश्तेदारी में जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक गांव जोगियाखेड़ा के समीप पहुंची, विपरीत दिशा से आ रही पिकअप गाड़ी के चालक ने लापरवाही से बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार सभी लोग घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। मौके पर घायलों के परिजन भी पहुंच गए।चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया है। चिकित्सा प्रभारी रजत चौहान ने बताया कि सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। पुलिस को मामले की सूचना भेज दी गई है।

आर.एस.एम. कॉलेज धामपुर में भारत बौद्धिक परीक्षा 2.0 का सफल आयोजन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



धामपुर। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित भारत बौद्धिक परीक्षा 2.0 का आयोजन आज आर.एस.एम. कॉलेज, धामपुर, बिजनौर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस परीक्षा के लिए आर.एस.एम. कॉलेज, धामपुर को नोडल परीक्षा केंद्र बनाया गया था। परीक्षा प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा में गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद के पाँच महाविद्यालयों के पंजीकृत विद्यार्थियों ने सहभागिता की।परीक्षा केंद्र पर कुल 353 पंजीकृत विद्यार्थियों में से 269 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 84 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार परीक्षा में विद्यार्थियों की कुल उपस्थिति 76.20 प्रतिशत रही। परीक्षा के सफल संचालन हेतु महाविद्यालय में कक्षवार सीटिंग प्लान, विद्यार्थियों की उपस्थिति पत्रक, रोल नंबर के अनुसार सूची तथा इनविजिलेटर की ड्यूटी का सुव्यवस्थित निर्धारण किया गया था। सभी व्यवस्थाओं के परिणामस्वरूप परीक्षा शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं सुचारु रूप से संपन्न हुई। परीक्षा केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. रवि धनकड़ ने बताया कि भारत बौद्धिक परीक्षा 2.0 विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा, बौद्धिक क्षमता, तार्किक चिंतन तथा राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान का मूल्यांकन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने परीक्षा में सम्मिलित सभी विद्यार्थियों तथा आयोजन में सहयोग देने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। परीक्षा का आयोजन केंद्राध्यक्ष प्रो. एस.एल. पाल की अध्यक्षता में किया गया। उच्च शिक्षा क्षेत्रीय निदेशालय, मुरादाबाद की ओर से डॉ. विशाल दुबे पर्यवेक्षक के रूप में परीक्षा केंद्र पर उपस्थित रहे। उन्होंने परीक्षा की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुचारु संचालन को सुनिश्चित किया। भारत बौद्धिक परीक्षा 2.0 में विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि निर्धारित की गई है: प्रथम पुरस्कार 1,00,000 रुपये (एक लाख रुपये), द्वितीय पुरस्कार 50,000 रुपये प्रत्येक (दो विद्यार्थियों को), तृतीय पुरस्कार 25,000 रुपये प्रत्येक (चार विद्यार्थियों को) प्रदान की जाएगी। आर.एस.एम. कॉलेज, धामपुर, बिजनौर में परीक्षा के सफल आयोजन से महाविद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण रहा। महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा के सफल संचालन में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, पर्यवेक्षक एवं विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

पुष्पों से सुसज्जित नौका में विराजमान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र ने किया दिव्य नौका विहार

छप्पन भोग, दामोदराष्टकम एवं दीपदान से भक्तिमय हुआ वृंदावन चंद्रोदय मंदिर

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/वृंदावन। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय भव्य कार्तिक उत्सव के द्वितीय दिवस पर श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र का दिव्य नौका विहार उत्सव अत्यंत श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अलौकिक आयोजन में भगवान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र को पालकी में विराजमान कर मंदिर के गर्भगृह से कल्याणी तक लाया गया। इसके पश्चात पुष्पों से सुसज्जित नौका में विराजमान अपने आराध्य के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर भक्त भावविभोर हो उठे। कल्याणी के समीप भगवान के आगमन पर सर्वप्रथम विधिवत पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती की गई। इसके पश्चात विभिन्न प्रकार के सुगंधित एवं आकर्षक पुष्पों से सुसज्जित नौका में श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र को विराजमान कराया गया। हरिनाम संकीर्तन की मधुर ध्वनि के मध्य भगवान का दिव्य नौका विहार प्रारंभ हुआ। भक्तों द्वारा किए जा रहे हरिनाम संकीर्तन एवं जयकारों से संपूर्ण मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। नौका विहार के दौरान श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र के अलौकिक स्वरूप के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने स्वयं को धन्य अनुभव किया। इस अवसर पर श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र के श्रीविग्रहों का विशेष वस्त्रों एवं विविध प्रकार के सुगंधित पुष्पों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। उत्सव के अंतर्गत श्री दामोदराष्टकम का सामूहिक एवं भावपूर्ण गान किया गया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं ने अपने आराध्य श्रीश्री राधा वृन्दावनचंद्र के श्रीचरणों में दीप प्रज्वलित कर श्रद्धापूर्वक दीपदान किया। दीपों की स्वर्णिम आभा, पुष्पों की मनोहारी सज्जा एवं हरिनाम संकीर्तन की भक्तिमय स्वर लहरियों से संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिरस में निमग्न हो उठा। इस भव्य कार्तिक उत्सव में सहभागिता करने के लिए दिल्ली, आगरा, लखनऊ सहित विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्त श्रीधाम वृंदावन पहुंचे।

746 मरीजों को मिलेगी नई रोशनी, 340 के ऑपरेशन पूरे



वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। जतीपुरा स्थित सीताराम धर्मशाला जापान वाली में आयोजित 25वें विशाल निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में जरूरतमंद मरीजों की भीड़ उमड़ रही है। शिविर में अब तक 1462 मरीजों की आंखों की जांच की जा चुकी है, जिनमें 746 मरीज ऑपरेशन के लिए चयनित हुए हैं। इनमें 340 मरीजों के ऑपरेशन संपन्न हो चुके हैं। श्रीनाथ जी धर्मार्थ सेवा सोसाइटी, फरीदाबाद के सौजन्य और कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, मथुरा के संयोजन में आयोजित शिविर में मोतियाबिंद सहित विभिन्न नेत्र रोगों का उपचार किया जा रहा है। चयनित मरीजों के ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण निशुल्क किए जा रहे हैं। मरीजों के भोजन, आवास, दवाइयों और देखभाल की व्यवस्था भी संस्था की ओर से की गई है। संस्था अध्यक्ष जगदीश लाल भाटिया, पंकज पारिक और कल्याणं करोति के महासचिव सुनील शर्मा ने कहा कि आर्थिक अभाव में किसी जरूरतमंद को नेत्र उपचार से वंचित न रहना पड़े, यही शिविर का उद्देश्य है। जरूरतमंदों की आंखों की रोशनी लौटाकर उनके जीवन में खुशियां लाना ही संस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि है। जनसंपर्क अधिकारी आरके वर्मा ने बताया कि ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों का उपचार कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड मथुरा में किया जा रहा है। शिविर में दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से भी मरीज पहुंच रहे हैं। शेष मरीजों के ऑपरेशन की प्रक्रिया जारी है। आयोजन में प्रेरित भाटिया, यतिन भाटिया, प्यारेलाल पांडे, रविन्द्र काबरा, एमपी शेखावत, राम सनेही और सोनू सहित समिति के सदस्य सहयोग कर रहे हैं।

श्री दयाराम बद्री केदार आश्रम में विधि-विधान से हुई श्री दक्षिण काली की प्रतिमा की स्थापना

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/वृन्दावन। अल्हैपुर मार्ग निकट राधा फ्लोरेंस स्थित नवनिर्मित श्री दयाराम बद्री केदार आश्रम में दयाराम चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहे पंच दिवसीय उदघाटन एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे प्रातःकाल 108 ब्राह्मणों के द्वारा सहस्त्र चंडी पाठ किया गया।तत्पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य श्रीदक्षिण काली माता की प्रतिमा की स्थापना की गई।साथ ही समस्त भक्तों-श्रृद्धालुओं के द्वारा 1008 दीपों से श्री दक्षिण काली माता की प्रथम आरती की गई। सायं काल श्रीहनुमद् आराधन मण्डल, वृन्दावन के तत्वावधान में सुन्दर काण्ड का संगीतमय सामूहिक पाठ किया गया।तत्पश्चात विलासपुर (छत्तीसगढ़) से आए प्रख्यात कलाकारों के द्वारा दिव्य काली स्वरूप की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई।साथ ही दैत्यराज रक्तबीज नाशन लीला का मंचन किया गया। इस अवसर पर मथुरा के विधायक श्रीकान्त शर्मा, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुराणाचार्य डॉ. मनोज मोहन शास्त्री, आचार्य अशोक व्यास रामायणी महाराज, महोत्सव के संयोजक आचार्य युगल किशोर कटारे, आचार्य विपिन बापू महाराज, आचार्य बुद्धि प्रकाश शास्त्री, पण्डित मुकेश मोहन शास्त्री, आचार्य विनय त्रिपाठी, आचार्य मंगेश दुबे, पण्डित श्याम सुन्दर ब्रजवासी, आचार्य राजेश कृष्ण शास्त्री, आचार्य चैतन्य किशोर कटारे, डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य अभिषेक कृष्ण महाराज, आचार्य डॉ. ऋषि तिवारी, आचार्य डॉ. रामविलास चतुर्वेदी, आचार्य शिवप्रसाद उपाध्याय, यज्ञाचार्य ब्रजमोहन सेम्वाल, आचार्य भूति कृष्ण महाराज, आचार्य सुमन्त कृष्ण शास्त्री, रासाचार्य स्वामी रामशरण शर्मा, पंडित बिहारी लाल वशिष्ठ, भजन गायक बनवारी लाल संगीताचार्य, राजेन्द्र प्रसाद पुरोहित, आचार्य शिवांश भाई मिश्र, स्वामी प्रेम शरण शर्मा आदि के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के तमाम गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री दयाराम बद्री केदार आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष भागवत किंकर कमल नयन महाराज एवं महोत्सव के संयोजक आचार्य युगल किशोर कटारे ने महोत्सव में पधारे सभी सन्तों विद्वानों व धमार्चार्यों एवं आगंतुक अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह एवं ठाकुरजी का पटुका-प्रसादी-माला आदि भेंट करके किया।रात्रि को सन्त ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारा हुआ। जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

श्याम ढाक में सजी छाक लीला, गोपियों के प्रेम में भावविभोर हुए ब्रजयात्री

'कोई मोते लै लेओ री गोपाला' भजन ने श्रद्धालुओं को किया भावविह्वल, ढाक के पत्तों से बने दोनों में दही पिलाने की लीला का हुआ भावपूर्ण गायन

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा/गोवर्धन। ब्रज की लीलास्थलियों में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का स्मरण करते हुए निकाली जा रही श्रीराधारानी ब्रजयात्रा में शनिवार को श्याम ढाक की छाक लीला ने यात्रियों को भावविभोर कर दिया। साध्वी गौरी ने जैसे ही प्रसिद्ध भजन ह्यकोई मोते लै लेओ री गोपालाह्ण का गायन किया, हजारों यात्रियों के बीच भक्ति और प्रेम की ऐसी धारा बही कि हर कोई श्रीकृष्ण की लीलाओं में खो गया। भजन के माध्यम से उन्होंने गोपियों के उस अनन्य प्रेम का भाव प्रस्तुत किया, जिसमें दही बेचने निकली गोपी संसार के व्यापार को भूलकर स्वयं गोपाल को ही खरीदने की पुकार लगाने लगती है। छाक लीला का प्रसंग सुनाते हुए साध्वी गौरी ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के लिए दही लेकर पहुंचने की जल्दी में गोपी पात्र ले जाना ही भूल जाती है। ऐसे में श्याम ढाक के पत्तों से बने दोनों में दही परोसकर कान्हा को खिलाने का भाव प्रकट करती है। इसी प्रसंग में लोकगीत की पंक्तियां ह्यश्याम ढाक के दोना, दही पीजा श्याम सलोनाह्ण का गायन हुआ। उन्होंने बताया कि श्याम ढाक क्षेत्र में पहले ढाक के बहुत से पौधे हुआ करते थे। इनके पत्ते प्राकृतिक रूप से दोने के आकार में बनते थे। ब्रज की लोकपरंपरा में इन पत्तों से बने दोनों का विशेष महत्व रहा है। भगवान श्रीकृष्ण की ऐसी ही बाल लीलाओं का गायन और स्मरण ब्रजयात्रियों को ब्रज के प्राचीन स्वरूप और आध्यात्मिक भाव से जोड़ता है। गौरतलब है कि पद्मश्री संत रमेश बाबा के सान्निध्य में प्रतिवर्ष निकलने वाली श्रीराधारानी ब्रजयात्रा इस वर्ष 25 अक्टूबर को बरसाना से प्रारंभ हुई थी। करीब 10 हजार श्रद्धालु इस निःशुल्क यात्रा में सम्मिलित हैं। यात्रा में चौबीस घंटे हरिनाम संकीर्तन चलता रहता है तथा प्रत्येक लीलास्थली पर वहां की प्राचीन लीलाओं का गायन और प्रसंग सुनाए जाते हैं। शनिवार को यात्रा पूछरी से चलकर श्याम ढाक, बरौली चौथ और सामई खेरा होते हुए उमराव गांव पहुंची, जहां यात्रियों ने रात्रि विश्राम किया। इस अवसर पर मांट मंदिर के महंत ब्रजशरण दास, राधाकांत शास्त्री, महेश शास्त्री, बाबा नृसिंह दास, ब्रजदास, राजकुमार गरुण, ब्रजनंदन, प्रभुदास और साध्वी गौरी सहित अनेक संत, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आज मथुरा में होगा सामाजिक न्याय अधिकार सम्मेलन, जुटेंगे कांग्रेस के राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर के वरिष्ठ नेता

सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग करेंगे कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी मथुरा द्वारा आगामी 22 नवंबर 2026 को ग्राम दामोदरपुरा स्थित होली पार्क में आयोजित होने वाले सामाजिक न्याय एवं भागीदारी सम्मेलन की तैयारियों के संबंध में शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, सेठ बाड़ा पर प्रेसवार्ता आयोजित की गई। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री पंडित श्याम सुंदर शर्मा ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर और सम्मान मिले। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए हैं। आज आवश्यकता है कि इन अधिकारों को धरातल पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा में लाने का संकल्प है। जिला कांग्रेस कमेटी सदस्य के. के. गौतम ने कहा कि सामाजिक न्याय कांग्रेस की विचारधारा का मूल आधार है। देश और प्रदेश में पिछड़े, दलित, शोषित एवं वंचित समाज को उनकी आबादी के अनुपात में अधिकार, सम्मान और भागीदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जातिगत जनगणना, सामाजिक और आर्थिक समानता तथा संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दामोदरपुरा में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन सामाजिक न्याय की आवाज को मजबूत करने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मीडिया विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि सामाजिक न्याय और भागीदारी का प्रश्न आज देश की राजनीति का महत्वपूर्ण विषय है। जब तक पिछड़े, दलित और कमजोर वर्गों को शिक्षा, रोजगार, राजनीति और प्रशासन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलेगा, तब तक समतामूलक समाज की परिकल्पना पूरी नहीं हो सकती।

नुक्कड़ नाटक और प्रतियोगिताओं से दिया गया स्वच्छता का संदेश

इस्लामिया और गांधी इंटर कॉलेज से लेकर रेलवे स्टेशन तक पहुंची स्वच्छता की अलख, चार रंग के डस्टबिन से समझाया कूड़ा पृथक्करण का महत्व

मोहम्मद असलम/वेलकम इंडिया



लखीमपुर खीरी। शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरा मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद लखीमपुर द्वारा व्यापक स्तर पर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नागरिकों, विद्यार्थियों, दुकानदारों और युवाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ कूड़े के उचित पृथक्करण एवं निस्तारण की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में शहर के विभिन्न वार्डों, इस्लामिया इंटर कॉलेज, गांधी इंटर कॉलेज, रेलवे स्टेशन परिसर और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लखनऊ से आई मुस्कान नुक्कड़ नाटक समिति ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष डॉ. इरा श्रीवास्तव एवं अधिशासी अधिकारी संजय कुमार के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान को सफाई एवं खाद्य निरीक्षक विशाल शुक्ला और मुरारी लाल के निर्देशन में आगे बढ़ाया जा रहा है। आईईसी टीम, मॉडर्न ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट तथा आईटीसी उमंग सुनहरा कल के संयुक्त सहयोग से आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्वच्छता को केवल सरकारी अभियान तक सीमित न रखकर प्रत्येक नागरिक की दैनिक आदत और सामाजिक जिम्मेदारी बनाना है। अभियान के तहत इस्लामिया इंटर कॉलेज में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अभिनय और संवाद के जरिए बताया कि सड़कों, नालियों, खाली प्लॉटों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने से गंदगी फैलती है और वातावरण प्रभावित होता है। उन्होंने लोगों से कूड़ा इधर-उधर फेंकने के बजाय निर्धारित डस्टबिन में डालने की अपील की। साथ ही बताया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसी तरह गांधी इंटर कॉलेज में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को कचरे के उचित निस्तारण और स्वच्छ वातावरण के महत्व की जानकारी दी गई। अभियान में लखनऊ से आई मुस्कान नुक्कड़ नाटक समिति ने विशेष सहभागिता की। दल नेता राजेश शुक्ला के नेतृत्व में टीम के सदस्य राकेश शुक्ला, संजीवन गौतम, सोनू बाबा और मोहित पटेल ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के जरिए स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और कूड़े के सही प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रोचक अंदाज में लोगों के सामने रखा। उन्होंने समझाया कि शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जागरूकता अभियान के दौरान चार रंगों के डस्टबिन के माध्यम से कचरे को अलग-अलग श्रेणियों में रखने की जानकारी भी दी गई। लोगों को बताया गया कि हरे डस्टबिन में गीला कचरा, नीले में सूखा कचरा, लाल में सैनिटरी कचरा तथा काले डस्टबिन में घरेलू खतरनाक कचरा एवं ई-वेस्ट रखा जाना चाहिए। टीम ने उदाहरण देकर समझाया कि रसोई से निकलने वाले फल-सब्जियों के छिलके और भोजन के अवशेष गीले कचरे में आते हैं, जबकि कागज, प्लास्टिक और धातु जैसी पुनर्चक्रण योग्य सामग्री सूखे कचरे में शामिल होती है। लोगों से घरों और दुकानों से ही कचरे को अलग-अलग रखने की आदत विकसित करने की अपील की गई। नगर पालिका का यह अभियान विद्यालयों तक सीमित नहीं रहा। रेलवे स्टेशन परिसर, विभिन्न वार्डों और सार्वजनिक स्थलों पर भी लोगों को जागरूक किया गया। दुकानदारों और राहगीरों से संवाद कर सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा नहीं फेंकने, नालियों में प्लास्टिक एवं अपशिष्ट सामग्री नहीं डालने और गीले-सूखे कचरे को अलग रखने की अपील की गई।

चार वर्षों का साथ, अनगिनत यादें... भावुक माहौल में आशीष सर को दी गई विदाई

शिक्षकों के दिलों में खास जगह बना गए आशीष कुमार सिंह, गोरखपुर स्थानांतरण पर बीआरसी सेमरियावां में आयोजित हुआ भव्य विदाई समारोह

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। चार वर्षों का साथ, अनगिनत यादें और शिक्षा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान। शनिवार को बीआरसी सेमरियावां का माहौल उस समय भावुक हो गया, जब लोकप्रिय एवं कर्मठ खंड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह को शिक्षकों ने नम आंखों और आत्मीय भावनाओं के साथ विदाई दी। उनका गैर जनपद गोरखपुर स्थानांतरण होने पर आयोजित भव्य विदाई समारोह में शिक्षक, एआरपी, संकुल शिक्षक एवं शिक्षा विभाग से जुड़े लोगों ने उन्हें सम्मानपूर्वक विदा किया। लगभग चार वर्षों तक सेमरियावां में अपनी सेवाएं देने वाले आशीष कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान केवल एक अधिकारी के रूप में ही नहीं, बल्कि शिक्षक परिवार के मार्गदर्शक और सहयोगी के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई। उनके कार्यकाल में शिक्षकों के बीच समन्वय, एकजुटता और टीम भावना को मजबूती मिली। उनके सरल व्यवहार, कुशल नेतृत्व और सकारात्मक कार्यशैली ने शिक्षकों के दिलों में विशेष स्थान बनाया। नोडल संकुल शिक्षक जफीर अली, ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद आजम, अब्दुर्रहीम, रामनिवास एवं विनोद यादव ने कहा कि आशीष कुमार सिंह का कार्यकाल सेमरियावां के शैक्षिक इतिहास में यादगार रहेगा। उन्होंने शिक्षकों को केवल निर्देश देने तक अपनी भूमिका सीमित नहीं रखी, बल्कि उन्हें साथ लेकर चलने, प्रोत्साहित करने और बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करने का काम किया। उनके मार्गदर्शन में शैक्षिक गतिविधियों को नई गति मिली तथा सामूहिक प्रयासों से सेमरियावां ब्लॉक ने जनपद में अग्रणी पहचान स्थापित की। असरारुल हक, जलालुद्दीन, मनोज कुमार, अनिल, बैरागी एवं फूलचंद ने कहा कि आशीष सर की सबसे बड़ी विशेषता उनका आत्मीय व्यवहार और शिक्षकों के प्रति सम्मान का भाव रहा। उन्होंने हर परिस्थिति में सकारात्मक सोच के साथ शिक्षकों का सहयोग किया। उनकी कार्यशैली ने सभी को मिलकर काम करने की प्रेरणा दी। उनका मार्गदर्शन और सहयोग लंबे समय तक याद किया जाएगा। राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष फुजेल अहमद नदवी ने कहा कि किसी अधिकारी का स्थानांतरण एक सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया है, लेकिन जब कोई अधिकारी अपने व्यवहार, विचारों और कार्यशैली से लोगों के दिलों में जगह बना लेता है, तो उसकी विदाई महज औपचारिक कार्यक्रम नहीं रह जाती। वह आत्मीय रिश्तों, भावनाओं और अविस्मरणीय स्मृतियों का अवसर बन जाती है। आशीष सर ने अपने चार वर्षों के कार्यकाल में जो अपनापन और विश्वास अर्जित किया है, वह हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि चार वर्षों का यह सफर भले ही अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है, लेकिन उनके साथ बिताए पल, मार्गदर्शन, स्नेह और शिक्षा के प्रति समर्पण सेमरियावां के शिक्षक परिवार की यादों में हमेशा जीवित रहेंगे। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं गोरखपुर में नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की मंगलकामना की। समारोह में शिक्षकों ने फूल-मालाओं एवं उपहार भेंट कर आशीष कुमार सिंह का सम्मान किया। इस दौरान उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए उनके साथ बिताए यादगार पलों को याद किया। पूरे कार्यक्रम में सम्मान, अपनापन और विदाई की भावनाएं देखने को मिलीं। विदाई समारोह में राम भारत, शुभम जायसवाल, शमीम अहमद, सुहेल अहमद, पवन शुक्ला, राजेंद्र प्रसाद, रिया श्रीवास्तव, कविता तिवारी, उर्मिला सिंह, सनोबर हलीम, शबाना खान, असरुल हक, हिमांशु पाण्डेय, केएन पांडेय, गणेश चौरसिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं शिक्षा विभाग से जुड़े लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद आजम ने की, जबकि संचालन जफीर अली करखी ने किया।

एडीएम पंकज कुमार श्रीवास्तव ने विशेष अभियान दिवस पर बूथों का किया निरीक्षण



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) पंकज कुमार श्रीवास्तव ने विशेष अभियान दिवस पर विभिन्न बूथों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम शामिल करने तथा मतदाता सूची को परिष्कृत एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए चलाए जा रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित बीएलओ एवं सुपरवाइजर से फार्म-6, 7 एवं 8 प्राप्त होने की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवक-युवतियों के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल किए जाएं। इस कार्य में विशेष सतर्कता बरतने के साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

एसआईआर में लापरवाही पर सपा ने खोला मोर्चा

राजकुमार राजू बोले–मतदाताओं के अधिकारों से खिलवाड़ नहीं होने देंगे

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान व्यवस्थाओं को लेकर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू ने नाराजगी जताई। उन्होंने शनिवार को पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा कर एसआईआर कार्य की प्रगति देखी। इस दौरान नगर के राममनोहर लोहिया मतदेय स्थल पर अव्यवस्थाएं मिलने पर उन्होंने संबंधित व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए। निरीक्षण के दौरान राजकुमार राजू ने पाया कि बूथ पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के बैठने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं थी। वहीं, मतदाताओं के लिए पीने के पानी और बैठने तक का उचित इंतजाम नहीं दिखाई दिया। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि एसआईआर मतदाता सूची से जुड़ी बेहद महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें बड़ी संख्या में लोग अपने नाम और दस्तावेजों से संबंधित कार्य कराने पहुंच रहे हैं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी है कि बूथों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार की सुरक्षा का पूरा अधिकार है। खासकर दलित, मुस्लिम और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं की अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता असुविधा के कारण बूथ तक पहुंचने या अपनी बात रखने से वंचित न रह जाए। सपा नेता ने कहा कि वह बिना किसी प्रमाण के किसी पर आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन बूथों पर दिखाई दे रही अव्यवस्थाएं कई सवाल खड़े करती हैं। यह भी आशंका पैदा होती है कि कहीं इनका लाभ किसी विशेष राजनीतिक दल को पहुंचाने की कोशिश तो नहीं हो रही। उन्होंने प्रशासन से एसआईआर अभियान को पारदर्शी, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने की मांग की।राजकुमार राजू ने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पूरे विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर प्रक्रिया पर नजर बनाए हुए हैं। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाने या उसे अनावश्यक रूप से परेशान करने का मामला सामने आया तो पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं है, बल्कि यह जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों का आधार है। इसमें किसी भी तरह की मनमानी, भेदभाव या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में बना रहे और सभी को अपनी बात रखने का समान अवसर मिले।

डीएम ने देर रात जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, मरीजों से जाना सुविधाओं का हाल







वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने शुक्रवार देर रात माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड का जायजा लेते हुए वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके बाद इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनके उपचार और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने मरीजों से यह भी जाना कि उन्हें इलाज के दौरान किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित चिकित्सकों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय से बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व एसएसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश



वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील परिसर में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं की ओर से प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा फरियादियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। वहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपजिलाधिकारी इटवा सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा प्रभारी निरीक्षक इटवा अनिल कुमार दूबे मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारियों का दूसरे दिन भी धरना जारी

आउटसोर्सिंग व्यवस्था को लेकर नगर निगम अधिकारियों से की जवाबदेही की मांग

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। नगर निगम में सफाई कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। उत्तर प्रदेश सफाई मजदूर संघ के बैनर तले कर्मचारियों ने नगर निगम परिसर में अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। धरना शुरू होते ही मौके पर पहुंचे नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने कर्मचारियों को बताया कि आउटसोर्सिंग सेवा निगम अभी अस्तित्व में नहीं आया है। इस पर संघ के मंडल महामंत्री बृजमोहन चानालिया ने अधिकारियों से सवाल किया कि यदि आउटसोर्सिंग सेवा निगम बना ही नहीं है तो फिर मुख्यमंत्री द्वारा 2 सितंबर 2026 को इसके माध्यम से सफाई कर्मचारियों को 20 हजार रुपये प्रतिमाह देने की व्यवस्था शुरू करने की बात किस आधार पर कही गई थी। उन्होंने कहा कि नगर स्वास्थ्य अधिकारी इस सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संघ पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के बीच एकजुटता को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। संजीवनी कंपनी और आरआर कंपनी के मालिकों व सुपरवाइजरों पर सफाई कर्मचारियों को काम से हटाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसके चलते अनेक कर्मचारी धरने में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। इससे सफाई कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़नी होगी और किसी भी दबाव में पीछे नहीं हटना चाहिए। धरने में सोनू आजाद, बृजमोहन चानालिया और राहुल वाल्मीकि सहित अन्य पदाधिकारियों ने कर्मचारियों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि रविवार को छुट्टी होने के कारण धरना नहीं दिया जाएगा। सोमवार 23 नवंबर को धरना-प्रदर्शन पूर्ववत जारी रहेगा। संघ पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखा जाएगा।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े में 58 वाहनों का चालान, फिटनेस फेल होने पर दो वाहन किये निरुद्ध





वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के छठवें दिन शनिवार को परिवहन विभाग की ओर से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया। एआरटीओ संजय कुमार सिंह की मौजूदगी में चलाए गए अभियान के दौरान ओवरस्पीडिंग, प्रेशर हॉर्न, मोडिफाइड साइलेंसर, हेलमेट और सीटबेल्ट का प्रयोग नहीं करने तथा वाहनों में ब्लैक फिल्म लगाने के मामलों में कुल 58 वाहनों का चालान किया गया। वहीं, उपसंभागीय परिवहन विभाग के यात्री कर अधिकारी (पीटीओ) मुजफ्फर हुसैन सिद्दीकी ने फिटनेस फेल होने के मामले में दो वाहनों को निरुद्ध किया। अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने और चारपहिया वाहन चलाते समय सीटबेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की गई। इस दौरान यातायात उपनिरीक्षक रमेश कुमार, ट्रैफिक हवलदार हेमंत कुमार, अखिलेश यादव और होमगार्ड रामनरेश मौजूद रहे। अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित यात्रा करने के लिए जागरूक किया।

पटिहन में बारातघर की बदहाली देख भड़के सपा नेता अशोक राजा, बोले- यह बारातघर नहीं है, तालाबघर बन गया है

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने बताई समस्याएं, परिसर में जलभराव और गंदगी पर जताई नाराजगी

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के नेता एवं पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी अशोक राजा इन दिनों क्षेत्र में लगातार जनसंपर्क कर रहे हैं। इस दौरान वह गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवाज उठा रहे हैं। शनिवार को जनसंपर्क के सिलसिले में वह पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव पटिहन पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने उन्हें गांव के बारातघर की बदहाल स्थिति से अवगत कराया। बारातघर की दुर्दशा देखकर अशोक राजा ने नाराजगी जताई और व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।बारातघर परिसर में जलभराव और चारों तरफ फैली गंदगी देखकर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह बारातघर नहीं, बल्कि तालाबघर बन गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को शादी-विवाह और अन्य मांगलिक कार्यक्रमों के आयोजन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकारी धन खर्च कर इस भवन का निर्माण कराया गया था, लेकिन देखरेख और साफ-सफाई के अभाव में इसकी हालत बदतर हो गई है। परिसर में पानी भरा होने और गंदगी के चलते ग्रामीण इस भवन का उपयोग तक नहीं कर पा रहे हैं।अशोक राजा ने कहा कि सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का वास्तविक लाभ जनता को मिलना चाहिए। निर्माण कराने के बाद जिम्मेदार विभागों का दायित्व समाप्त नहीं हो जाता, बल्कि सार्वजनिक भवनों की नियमित देखरेख और रखरखाव भी जरूरी है। ग्रामीणों के उपयोग के लिए बनाए गए भवन की ऐसी स्थिति व्यवस्था की लापरवाही को उजागर करती है।उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की कि पटिहन के बारातघर की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए और भवन की आवश्यक मरम्मत कराकर इसे उपयोग के योग्य बनाया जाए, ताकि ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि जनता की सुविधाओं की अनदेखी किसी भी कीमत पर उचित नहीं है। गांवों में विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि उनका लाभ धरातल पर भी दिखाई देना चाहिए। जनसंपर्क के दौरान अशोक राजा ने ग्रामीणों से क्षेत्र की अन्य समस्याओं की जानकारी भी ली और लोगों को भरोसा दिलाया कि जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। इसके बाद उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के अन्य गांवों में भी पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं विचारों को साझा किया।

13 दिसंबर को पीलीभीत में सजेगा बांसुरी यूथ पार्लियामेंट का मंच, युवाओं को मिलेगा प्रतिभा दिखाने का अवसर

संसदीय कार्यप्रणाली, वाद-विवाद और सार्वजनिक भाषण के जरिए निखरेगी नेतृत्व क्षमता

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से 13 दिसंबर 2026 को पीलीभीत के सिटी प्लेस में बांसुरी यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के युवाओं को अपने विचार रखने, समसामयिक मुद्दों पर चर्चा करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।आयोजन में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ उन्हें संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान संसदीय कार्यवाही का अभ्यास, वाद-विवाद प्रतियोगिता, सार्वजनिक भाषण और विभिन्न नीतिगत विषयों पर चर्चा जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवाओं को एक-दूसरे के विचारों को सुनने, समझने और तार्किक ढंग से अपनी बात रखने का अवसर भी मिलेगा।आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं के भीतर संवाद की संस्कृति को बढ़ावा देना और उन्हें सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों के प्रति जागरूक बनाना है। इसके जरिए युवा देश और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त कर सकेंगे। साथ ही उनमें निर्णय लेने की क्षमता, आत्मविश्वास, संवाद कौशल और नेतृत्व के गुण विकसित करने पर जोर दिया जाएगा।आयोजकों के अनुसार वर्तमान समय में युवाओं की भूमिका केवल भविष्य के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे आज भी सामाजिक बदलाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इसी सोच को आगे बढ़ाने के लिए बांसुरी यूथ पार्लियामेंट की पहल की जा रही है।ह्यिंग माइंड्स, रियल चेंजह्व की सोच पर आधारित यह आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और विचारों को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने का मंच उपलब्ध कराएगा। 13 दिसंबर को होने वाले इस कार्यक्रम से जिले के युवाओं में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति रुचि बढ़ने और सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इस आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक होने का अवसर मिलेगा। इससे उनमें सकारात्मक नेतृत्व क्षमता विकसित होगी।

सहारनपुर पहुंचे ओवैसी और चंद्रशेखर, कलक्ट्रेट की मस्जिद के ध्वस्तीकरण पर उठाए सवाल

राजीव मोंगरा/वेलकम इंडिया



सहारनपुर। कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण का मामला अब राजनीतिक तूल पकड़ने लगा है। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने शनिवार को सहारनपुर पहुंचकर इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। गठबंधन के ऐलान के बाद दोनों सांसदों का यह पहला सहारनपुर दौरा रहा।

उन्होंने कलक्ट्रेट परिसर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन लवी त्रिपाठी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और मस्जिद ध्वस्तीकरण प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। ज्ञापन में दोनों सांसदों ने दावा किया कि विवादित संपत्ति खसरा संख्या 539 और खेवट नॉन-जेडए राजस्व अभिलेखों में खातेदारों के नाम दर्ज है तथा यह भूमि कभी सरकार में निहित नहीं रही। उन्होंने कहा कि मस्जिद का निर्माण वर्ष 1911 से पहले हुआ था और यह उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में वक्फ संख्या 451 के रूप में पंजीकृत है। सांसदों ने आरोप लगाया कि ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान वक्फ बोर्ड को आवश्यक पक्षकार नहीं बनाया गया और जिला जज के आदेश के बाद मस्जिद पक्ष को उच्च न्यायालय में अपील करने का पर्याप्त समय भी नहीं दिया गया। उन्होंने दावा किया कि आदेश के महज तीन दिन के भीतर मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया। दोनों सांसदों ने मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने और अन्य मस्जिदों एवं मदरसों को जारी नोटिसों पर कार्रवाई रोकने की मांग की। उनका कहना था कि संबंधित पक्षों को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने और कानूनी पक्ष रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्षता के साथ कार्य करने की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन सभी का है और उसे किसी राजनीतिक दबाव में आकर कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। शनिवार को सर्किट हाउस में यूपी पुलिस की एक चूक भी चर्चा का विषय बनी रही। सांसद असदुद्दीन ओवैसी के पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया। बताया गया कि सर्किट हाउस में एक न्यायाधीश के आगमन को लेकर पुलिस की ओर से सलामी की तैयारी की गई थी, लेकिन कथित गफलत के चलते पुलिसकर्मियों ने ओवैसी को ही गार्ड ऑफ ऑनर दे दिया। ओवैसी सुबह करीब 11:30 बजे अपने काफिले के साथ सर्किट हाउस पहुंचे थे। जैसे ही वह गाड़ी से उतरे, वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें सलामी दे दी। इसके बाद वह सांसद चंद्रशेखर आजाद के साथ सर्किट हाउस के अंदर चले गए। घटना के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई।

छुटमलपुर में चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री बनाने की अपील

इसके बाद ओवैसी छुटमलपुर स्थित चंद्रशेखर आजाद के आवास पहुंचे, जहां आजाद समाज पार्टी, एआईएमआईएम और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं व समर्थकों की बड़ी भीड़ मौजूद रही। यहां ओवैसी ने समर्थकों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बंदूक की गोली और बुलडोजर से नहीं, बल्कि संविधान से चलेगा। उन्होंने चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री बनाने की अपील करते हुए कहा कि दोनों भाई मिलकर दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने का काम करेंगे। ओवैसी ने दावा किया कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है और सामाजिक परिवर्तन मोर्चा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश की सत्ता से बेदखल करेगा। उन्होंने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, कथित डर के माहौल और राजनीतिक बदलाव की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया। उनके संबोधन के दौरान समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की।

चंद्रशेखर के आवास पर बंद कमरे में किया लंच, बाहर गूंजे देखो-देखो कौन आया, शेर आया के नारे

चंद्रशेखर आजाद के आवास के बाहर सैकड़ों की संख्या में समर्थक जुटे रहे। इस दौरान श्देखो-देखो कौन आया, शेर आया-शेर आयाश के नारे गूंजते रहे। दोनों सांसदों के आवास के अंदर जाने के बाद समर्थकों को बाहर ही रोक दिया गया और किसी अन्य व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। ओवैसी यहां चंद्रशेखर आजाद के साथ लंच करने पहुंचे थे। दोनों सांसदों की मुलाकात बंद कमरे में हुई। इस दौरान विनय रतन, अहसान कुरैशी, राव कैसर सलीम सहित दोनों दलों के पदाधिकारी और समर्थक मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचीं आठ शिकायतें, एक का भी मौके पर नहीं हुआ निस्तारण

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। ब्लॉक सभागार में शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर कुल आठ शिकायतें प्राप्त हुईं। हालांकि, इनमें से किसी भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। अधिकारियों ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।समाधान दिवस के दौरान पांच ग्राम पंचायतों के प्रशासकों ने पंचायत सचिव की दोबारा तैनाती को लेकर विरोध जताया। ग्राम पंचायत बगनेरी बगनेरा, चठिया भैंसहा, सिरसा, बांसखेड़ा और निसावा निसैयां के प्रशासकों ने संयुक्त रूप से सीडीओ सतीश प्रसाद मिश्रा को शिकायती पत्र सौंपकर पंचायत सचिव राम प्रकाश गंगवार की दोबारा तैनाती पर आपत्ति जताई। उन्होंने सचिव पर कार्यों में लापरवाही और ग्रामीणों को परेशान करने समेत कई आरोप लगाए। शिकायती पत्र में कहा गया है कि पंचायत सचिव राम प्रकाश गंगवार पूर्व में इन पांचों ग्राम पंचायतों में करीब चार वर्ष तक तैनात रहे हैं। इस दौरान उन पर विकास कार्यों में लापरवाही बरतने, ग्रामीणों के फोन नहीं उठाने तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और परिवार रजिस्टर की नकल बनवाने के लिए लोगों को परेशान करने के आरोप लगाए गए। इसके अलावा महिला ग्राम प्रधानों के साथ कठोर भाषा का प्रयोग करने की शिकायत भी की गई है। प्रशासकों का कहना है कि पूर्व में लंबे समय तक तैनाती रहने के बावजूद सचिव को दोबारा उन्हीं ग्राम पंचायतों में जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक संरक्षण के चलते यह तैनाती की गई है। प्रशासकों ने सीडीओ से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और संबंधित ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिव की दोबारा तैनाती पर रोक लगाने की मांग की है। अब मामले में अधिकारियों की जांच और कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

धर्म, जाति और संप्रदाय से ऊपर है राष्ट्र: मोहम्मद फैज खान

राष्ट्रहित सर्वोपरि चिंतन और चरित्र विषय पर संगोष्ठी का आयोजन, वक्ताओं ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का किया आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता





वाराणसी। प्रबुद्धजन काशी न्यास वाराणसी की ओर से महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ स्थित महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान में 'राष्ट्रहित सर्वोपरि चिंतन और चरित्र' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने राष्ट्रहित, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता और युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रसिद्ध राष्ट्र चिंतक मोहम्मद फैज खान ने कहा कि राष्ट्र से बढ़कर कोई धर्म, जाति या संप्रदाय नहीं है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र की एकता, सुरक्षा और अखंडता को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्व के कई देश सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जबकि भारत सुरक्षित देशों में शामिल है। देश की सुरक्षा और एकता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी धर्मों के संरक्षण और प्रत्येक व्यक्ति को समान सम्मान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। धर्म के लक्षणों की चर्चा करते हुए उन्होंने धैर्य, क्षमा, संयम, क्रोध पर नियंत्रण और इंद्रियों को वश में रखने को महत्वपूर्ण बताया। धर्म और रिलिजन के अंतर को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म का अर्थ केवल रिलिजन नहीं है। भारतीय हिंदू दर्शन सबको साथ लेकर चलने की भावना पर आधारित है। युवाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज की जेनजी पत्थरबाजी के बजाय शिक्षा, स्टार्टअप और राष्ट्र निर्माण के माध्यम से देश को आगे बढ़ाने में जुटी है। उन्होंने लोगों से वर्ष 2027 में सनातनी होकर मतदान करने की अपील भी की। मुख्य अतिथि प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कोविड-19 के दौरान प्रधानमंत्री की ओर से आयुष काढ़े के उपयोग के सुझाव का उल्लेख किया। उन्होंने खानपान में सावधानी बरतने और हाइब्रिड खाद्य उत्पादों से दूरी बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि पश्चिम बंगाल के विधायक डॉ. दिलीप सिंह ने विकसित भारत-2047 के संकल्प पर विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना के साथ विकसित भारत का सपना देखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी हिंदू भी हैं और हिंदुस्तानी भी। देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। देश को तोड़ने वाली सोच का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के साथ राष्ट्र निर्माण और विकास के विषयों पर निरंतर संवाद होना चाहिए। युवाओं को केवल समस्याओं पर चर्चा करने के बजाय विकास कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अजयेन्द्र कुमार दुबे ने कहा कि काशी भगवान की प्रयोगशाला होने के साथ ही क्रांतिकारियों और राष्ट्रभक्तों की भी भूमि रही है। यहां की पहचान राष्ट्र चेतना, संस्कृति और सामाजिक जागरूकता से जुड़ी हुई है। मनीषी अतिथि पद्मश्री चंद्रशेखर सिंह ने जैविक खेती को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि टिकाऊ कृषि और बेहतर उत्पादन के लिए जैविक कृषि पद्धतियों को अपनाना जरूरी है। इससे कृषि की गुणवत्ता में सुधार के साथ राष्ट्र की उन्नति में भी योगदान मिलेगा। सैन्य क्षेत्र से जुड़े प्रकांड वर्मा ने कहा कि जीवन में यह महत्वपूर्ण नहीं है कि दूसरा व्यक्ति क्या कर रहा है, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि हम स्वयं अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का कितना निर्वहन कर रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी तिलक राज कपूर ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान के निदेशक डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर 15 विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में वैजन्ती पटेल, रत्ना मिश्रा, चेतन उपाध्याय, कन्हैया दुबे, डॉ. पीके श्रीवास्तव और शैलेश कुमार चौरसिया सहित अन्य लोग शामिल रहे।

शिकारपुर विधानसभा में विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत 391 बीएलओ रहे तैनात, एक दिन में मिले 1600 फॉर्म

1300 मतदाताओं ने नए नाम जुड़वाने के लिए भरे फॉर्म-6, हेल्प डेस्क के माध्यम से मतदाताओं को दी गई सहायता







वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर/बुलंदशहर। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान-2027 के अंतर्गत शनिवार को विधानसभा क्षेत्र-69 शिकारपुर में विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश से प्राप्त निदेशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में विधानसभा क्षेत्र के सभी 391 बूथ लेवल ऑफिसर (इछड) अपने-अपने आवंटित मतदान केंद्रों पर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक उपस्थित रहे।

इस दौरान बीएलओ ने निर्वाचन नामावली के पुनरीक्षण से संबंधित आवश्यक कार्यों का संपादन किया। वहीं सभी सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर बीएलओ के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मतदाताओं की सुविधा और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता हेल्प डेस्क भी स्थापित की गईं। इनके माध्यम से मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, नाम एवं विवरण में संशोधन कराने तथा पुनरीक्षण से संबंधित प्रक्रियाओं की जानकारी देकर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई गई। विशेष अभियान दिवस के दौरान विधानसभा क्षेत्र में लगभग 1600 फॉर्म प्राप्त हुए, जिनमें करीब 1300 फॉर्म-6 शामिल हैं। फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवेदन किए गए। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए।

12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के दोषी को 22 साल की सजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलन्दशहर। नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने दोषी इमरान को 22 वर्ष के कारावास और 62 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। एडीजे पॉक्सो-02 न्यायालय के न्यायाधीश सतेन्द्र प्रकाश पांडे ने साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को दोषी करार देते हुए यह फैसला सुनाया। मामला वर्ष 2022 का है। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के गांव रिवाड़ा निवासी इमरान पुत्र वसीम ने 12 वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। मामले में 3 सितंबर 2022 को थाना जहांगीराबाद में धारा 363, 366(क), 376 भादवि तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 3/4(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने 7 दिसंबर 2022 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था।

अंतरिक्ष विज्ञान में चमका शाहजहांपुर का सितारा, राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मारी बाजी

शाहजहांपुर के मोहम्मद अली ने राजस्थान में चमकाया नाम, स्पेस साइंस ओलंपियाड में मारी बाजी

जाकिर तुर्क/वेलकम इंडिया



मेरठ। कस्बा शाहजहांपुर निवासी नायब सूबेदार जमशेद(फौजी)के पुत्र मोहम्मद अली ने राजस्थान के बीकानेर में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इंडियन स्पेस साइंस ओलंपियाड प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कक्षा पांच के छात्र मोहम्मद अली ने अपनी कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करते हुए प्रतियोगिता में टॉप किया। इसके साथ ही उन्होंने अगले चरण यानी लेवल-2 के लिए भी क्वालीफाई कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। मोहम्मद अली की इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता की खबर मिलते ही रिश्तेदारों, शिक्षकों और कस्बे के गणमान्य लोगों ने परिवार को बधाई दी। कम उम्र में विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दिखाई गई उनकी प्रतिभा को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। परिजनों ने बताया कि मोहम्मद अली शुरू से ही पढ़ाई के प्रति मेहनती और जिज्ञासु स्वभाव के हैं। उनकी इस सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे शाहजहांपुर कस्बे को गौरवान्वित किया है। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि मोहम्मद अली आगे भी इसी तरह सफलता के नए मुकाम हासिल कर अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे।

साइबर ठगी के 32,700 रुपये पुलिस ने कराए वापस

एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत मिलते ही साइबर हेल्प डेस्क ने शुरू की कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता



डिबाई (बुलंदशहर)। साइबर ठगों द्वारा ऑनलाइन ठगी कर निकाले गए 32,700 रुपये डिबाई पुलिस ने अथक प्रयासों के बाद पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दिए। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डिबाई थाना क्षेत्र के गांव नगला आजान निवासी अरविन्द कुमार के बैंक खाते से अज्ञात साइबर ठगों ने 32,700 रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज कराई थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए थाना डिबाई की साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में साइबर हेल्प डेस्क की टीम ने अथक प्रयास करते हुए ठगी की गई पूरी धनराशि 32,700 रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर अरविन्द कुमार ने डिबाई पुलिस का आभार जताते हुए पुलिस टीम की सराहना की। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता संख्या, पिन, ओटीपी और सीवीवी नंबर साझा न करें। साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस टीम: प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह, अपराध निरीक्षक खड्ग सिंह, कांस्टेबल सहदेव एवं कांस्टेबल रविन शामिल रहे।

श्रीराम जानकी इंटर कॉलेज में नशा मुक्ति प्रतियोगिता हुई आयोजित, छात्र-छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

वेलकम इंडिया/फतेह खान



शुजागंज (अयोध्या)। मद्य निषेध विभाग अयोध्या एवं शुभांकर वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में श्रीराम जानकी इंटर कॉलेज पटरंगा में नशा मुक्ति जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने पोस्टर, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य केशव राम यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि शुभांकर वेलफेयर सोसायटी पिछले पांच वर्षों से विद्यालय में नशे के दुष्परिणामों के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक कर रही है। इस अभियान से बच्चों में जागरूकता बढ़ी है और कई विद्यार्थियों ने अपने परिवारों को भी नशामुक्त बनाने में योगदान दिया है। पोस्टर प्रतियोगिता में इकरा बानो प्रथम, रंजीत द्वितीय, प्रियांशी तृतीय तथा आराधना चतुर्थ स्थान पर रहीं। निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभा प्रथम, मोहित द्वितीय, लवी मिश्रा तृतीय तथा शिवानी चतुर्थ रहीं। वहीं भाषण प्रतियोगिता में सोनम गुप्ता प्रथम, कात्यायनी यादव द्वितीय, दीपिका साहू तृतीय तथा नेहा चतुर्थ स्थान पर रहीं। सभी विजेताओं को स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिला मद्य निषेध अधिकारी संजना सिंह ने उपस्थित लोगों को नशा न करने की शपथ दिलाई। सोसायटी के अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने कहा कि संस्था जिलेभर में नशा मुक्ति जागरूकता अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यक्रम चला रही है। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान प्रवक्ता सुधीर कुमार गुप्ता ने किया। इस मौके पर सोसायटी के कोषाध्यक्ष उमाकांत वर्मा, अमर बहादुर, नेहा विश्वकर्मा, शिक्षक कमलेश कुमार यादव, राजेश तिवारी, अमलेश यादव, राम आशीष साहू, शीतला प्रसाद यादव, जानकी सोनी, निलोफर सुल्ताना सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर उमड़े श्रद्धालु, भंडारे में ग्रहण किया प्रसाद



वेलकम इंडिया संवाददाता

नरौरा। राजघाट में श्याम सेवा मंडल ट्रस्ट के तत्वावधान में खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बाबा की विशेष पूजा-अर्चना कर आरती उतारी गई। इसके बाद आयोजित विशाल भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम के समापन पर आकर्षक आतिशबाजी की गई। इस दौरान ट्रस्ट पदाधिकारियों ने अतिथियों एवं श्याम प्रेमियों को पटका पहनाकर और बाबा की तस्वीर भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सचिव रवि गोयल, संयोजक सोनू गोयल, अध्यक्ष विकास कौशिक, महासचिव मोनू यादव, संस्थापक पवन शर्मा, राजा वार्ष्णेय सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजकों ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नरसड़ा में बेटर लाइफ फार्मिंग सेंटर का शुभारंभ, किसानों को निशुल्क बांटे कुदरत-9 गेहूं के बीज

कुदरत कृषि ऋषि श्री प्रकाश सिंह रघुवंशी ने किया उद्घाटन, प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित; आरएसएस काशी प्रांत के गौ सेवा प्रमुख अरविंद सिंह ने दिए उन्नत खेती के सुझाव

वेलकम इंडिया संवाददाता







वाराणसी। किसानों को आधुनिक, प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने और कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकासखंड आराजी लाइन के राजातालाब-जक्खिनी मार्ग स्थित नरसड़ा गांव में कृषक उत्पादक एवं औद्योगिक विपणन सहकारी समिति के तत्वावधान में बेटर लाइफ फार्मिंग सेंटर का शुभारंभ किया गया। सेंटर का उद्घाटन प्रगतिशील किसान एवं कुदरत कृषि ऋषि प्रकाश सिंह रघुवंशी ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के गौ सेवा प्रमुख अरविंद सिंह सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान सैकड़ों किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। किसानों को गेहूं की उन्नत किस्म कुदरत-9 का निशुल्क बीज वितरित किया गया, जबकि कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। उद्घाटन समारोह में कुदरत कृषि ऋषि श्री प्रकाश सिंह रघुवंशी ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने, मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ प्राकृतिक एवं वैज्ञानिक पद्धतियों का समन्वय आवश्यक है। उन्नत बीजों का चयन, समय पर बुवाई, खेतों का उचित प्रबंधन और मिट्टी की गुणवत्ता का संरक्षण बेहतर पैदावार के प्रमुख आधार हैं। उन्होंने किसानों से खेती में नवाचार अपनाने और नई तकनीकों के माध्यम से कृषि को समृद्ध बनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत के गौ सेवा प्रमुख अरविंद सिंह ने किसानों को खेती-किसानी से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने फसल उत्पादन बढ़ाने, कृषि लागत कम करने और मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए बेहतर कृषि पद्धतियां अपनाने पर जोर दिया। साथ ही गौ आधारित प्राकृतिक खेती के महत्व को बताते हुए किसानों को इस पद्धति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बायर कंपनी के अधिकारी महेश मौर्य ने बेटर लाइफ फार्मिंग की अवधारणा और उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों और उचित फसल प्रबंधन के जरिए किसान बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कंपनी के कृषि उत्पादों और फसल सुरक्षा संबंधी उपायों के बारे में बताते हुए सब्जियों में लगने वाले रोगों एवं कीटों की पहचान, उनसे बचाव और नियंत्रण के तरीके समझाए। विभिन्न फसलों में होने वाले रोगों और उनके उपचार की जानकारी भी दी। बायर कंपनी के अधिकारी मनीष मिश्रा ने किसानों को कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि खेतों में दवाइयों का छिड़काव करते समय सुरक्षा मानकों का पालन करना जरूरी है।

उन्होंने छिड़काव के दौरान दस्ताने, मास्क, चश्मे और टोपी का इस्तेमाल करने की सलाह दी, ताकि कीटनाशकों के दुष्प्रभाव से बचाव के साथ स्वास्थ्य की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। इस दौरान किसानों को कुदरत प्रजाति के संशोधित गेहूं कुदरत-9 का निशुल्क बीज वितरित किया गया। बीज पैकेट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह गेहूं की बौनी किस्म है, जिसकी फसल लगभग 120 दिनों में तैयार होती है। इसकी उत्पादन क्षमता 25 से 30 कुंतल प्रति एकड़ बताई गई है। इसके दाने लंबे और मोटे होते हैं तथा बुवाई का उपयुक्त समय नवंबर से दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक बताया गया है। समिति के अध्यक्ष सर्वेश्वर नारायण सिंह और सचिव अनुप सिंह ने कहा कि समिति का उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज, आधुनिक कृषि तकनीक और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। बेटर लाइफ फार्मिंग सेंटर के माध्यम से क्षेत्रीय किसानों को कृषि संबंधी समस्याओं के समाधान, फसल प्रबंधन और बेहतर उत्पादन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन दिया जाएगा।

वहीं, हेरंबा पेस्टिसाइड कंपनी की ओर से विशाल सिंह ने कंपनी के विभिन्न कृषि उत्पादों की विशेषताओं, उपयोगिता और फसलों में उनके लाभ के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बेहतर खेती और अच्छी पैदावार के लिए किसानों को आवश्यक सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में शामिल किसानों ने बेटर लाइफ फार्मिंग सेंटर की शुरूआत, प्रगतिशील किसानों के सम्मान और निशुल्क बीज वितरण की पहल की सराहना की।

आरकेजीआईटी में डॉ. अब्दुल कलाम जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट 2026-27 का भव्य समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गाजियाबाद में आयोजित दो दिवसीय डॉ. अब्दुल कलाम जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट 2026-27 (गाजियाबाद जोन) का समापन उत्साह एवं खेल भावना के साथ हुआ। इस खेल महोत्सव में लगभग 20 महाविद्यालयों के 1,200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा एवं खेल कौशल का प्रदर्शन किया।विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष संचालन एवं मूल्यांकन के लिए अन्य महाविद्यालयों से खेल अधिकारी एवं निर्णायक आमंत्रित किए गए थे।

20 नवंबर को आयोजित समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री ए. अनीता चानू, डिप्टी कमांडेंट, उपाधक्ष एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री गीता रानी, इंस्पेक्टर, उपाधक्ष एवं अर्जुन पुरस्कार विजेता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इसके पश्चात सुश्री गीता रानी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खेलों के प्रति समर्पण, निरंतर अभ्यास एवं अनुशासन का महत्व बताया। मुख्य अतिथि सुश्री ए. अनीता चानू ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने, मेहनत करने और खेल भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।सुश्री ए. अनीता चानू ने कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप तथा एशियन गेम्स 2022 में स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। वहीं, सुश्री गीता रानी ने वर्ष 2006 के मेलबर्न कॉमनवेल्थ गेम्स में भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्हें महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। समारोह का मुख्य आकर्षण पुरस्कार वितरण समारोह रहा, जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन एवं टीम भावना से सभी को प्रभावित किया।प्रतियोगिताओं के समग्र परिणामों के आधार पर जोनल चैंपियन का खिताब फड़क्कड़ महाविद्यालय ने प्राप्त किया।शतरंज की महिला वर्ग प्रतियोगिता एवं दौड़ (रेस) ,वॉलीबॉल, खो खो बॉयज, हाई जंप बॉयज ,लॉन्ग जंप महिला ,बास्केटबॉल बॉयज में फड़क्कड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त , बैडमिंटन , डिस्कस थ्रो, कबड्डी प्रतियोगिताओं में भी फड़क्कड़ का विजयी प्रदर्शन किया। खेल महोत्सव के अंतर्गत टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज, खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल एवं एथलेटिक्स सहित विभिन्न खेल विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सभी प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, ग्रुप एडवाइजर, डॉ. डी.के. चौहान, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, डॉ. बी.सी. शर्मा, निदेशक,एच.जी. गर्ग, डीन स्टूडेंट वेलफेयर एवं आलोक त्यागी, जोनल स्पोर्ट्स फेस्ट कोऑर्डिनेटर सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।संस्थान के प्रतिनिधियों ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं सहयोग की भावना विकसित करने के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करते हैं।

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 25वीं जयंती पर ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, किसानों के मसीहा एवं भारत रत्न श्रद्धेय स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 25वीं जयंती के अवसर पर आगामी 23 दिसंबर 2026 को उनकी जन्मस्थली नूरपुर, हापुड़ में एक भव्य एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन होने जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह की जन्मस्थली पर स्थापित प्रतिमा का नवीनीकरण एवं विशाल आभार सभा आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित एनडीए के अनेक वरिष्ठ नेता एवं मंत्रीगण उपस्थित रहेंगे। इसी ऐतिहासिक आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर आज नूरपुर, हापुड़ में प्रतिनिधिमंडल द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं, जनसहभागिता एवं आयोजन को भव्य और सफल बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रमुख रूप से राष्ट्रीय लोकदल के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद के.सी. त्यागी, पूर्व मंत्री अशोक यादव, विधायक गढ़मुक्तेश्वर हरेंद्र तेवतिया, रालोद के सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट अजयवीर चौधरी, रणवीर दहिया, राष्ट्रीय लोकदल गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी, भाजपा हापुड़ की जिलाध्यक्ष श्रीमती कविता माद्रे, भाजपा महामंत्री सोमेन्द्र त्यागी, रालोद के पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र प्रधान, सुरेंद्र त्यागी, बिजेंद्र दीवान, बिजेंद्र किलहोड़ा, डीआईजी कृपाल सिंह सहित अनेक वरिष्ठ नेता एवं गणमान्य साथी उपस्थित रहे। 23 दिसंबर का यह आयोजन केवल एक जयंती समारोह नहीं, बल्कि किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह के विचारों, संघर्षों, किसान हितों और सामाजिक न्याय के प्रति उनके आजीवन समर्पण को नमन करने का ऐतिहासिक अवसर होगा। आइए, हम सभी मिलकर इस गौरवशाली आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के अंतर्गत एसडीएम श्रीमती कोमल पंवार ने किया बूथों का निरीक्षण



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के अंतर्गत आयोजित विशेष अभियान दिवस के अवसर पर एसडीएम/ईआरओ मोदीनगर श्रीमती कोमल पंवार द्वारा विभिन्न मतदेय स्थलों एवं बूथों का भ्रमण कर मतदाता पुनरीक्षण कार्यों का निरीक्षण किया गया।

उन्होंने बूथों पर उपस्थित बीएलओ से पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीएलओ को बीएलओ ऐप में किए गए नवीन बदलावों के संबंध में भी अवगत कराया गया। विशेष रूप से एसएसआर टाइल के अंतर्गत इलेक्टर फोटो क्वालिटी चेक एवं करेक्शन ऑफ रॉन्ग एंट्रीज से संबंधित नई सुविधाओं की जानकारी दी गई। साथ ही इन सुविधाओं का उपयोग करते हुए मतदाता सूची में फोटो की गुणवत्ता की जांच करने तथा गलत प्रविष्टियों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए।

निमार्णाधीन मकान से लाखों रुपये की निर्माण सामग्री चोरी करने का आरोप

विरोध पर व्यापारी परिवार को जान मारने की धमकी का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हरे कृष्णा सोसाइटी में निमार्णाधीन मकान से करीब 3.5 लाख रुपये की निर्माण सामग्री चोरी करने और विरोध पर व्यापारी परिवार को जाने मारने की धमकी देने के आरोप में ग्राम प्रधान काजमपुर मनोज चौधरी के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मोदीनगर थाना क्षेत्र के सोना एन्क्लेव निवासी संतोष शहर के जाने-माने व्यापारी है। उनके अनुसार, हरे कृष्णा सोसाइटी में उनके मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। मकान के बराबर में निर्माण से बची ईंटें, पत्थर, टाइल्स, सरिया और अन्य सामग्री रखी हुई थी। आरोप है कि 16 नवंबर को ग्राम काजमपुर निवासी ग्राम प्रधान मनोज चौधरी ने निर्माण सामग्री ट्रकों में भरवाकर नष्ट कर दी। सामग्री की कीमत करीब 3.5 लाख रुपये बताई गई है। आरोप है कि घटना के समय वह काम के सिलसिले में बाहर थे। घर लौटने पर सामग्री ले जाने की जानकारी मिली। इसके बाद उसने आरोपी से कॉल करके सामग्री हटाने के संबंध में पूछा तो आरोपी ने उसे और परिवार को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस से परिवार की सुरक्षा और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि मामले में ग्राम प्रधान मनोज चौधरी के खिलाफ चोरी, गाली-गलौज और धमकी की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संपूर्ण समाधान दिवस पर आई 77 शिकायतों में से 6 का किया निस्तारण



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 77 शिकायतें प्राप्त हुई। जिसमें से मौके पर 6 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए। संपूर्ण समाधान दिवस पर 16 पुलिस विभाग, 39 राजस्व विभाग, 22 अन्य विभाग की समस्याएं आई। समाधान दिवस पर किसानों में अपनी समस्याओं को प्रमुखता से रखा अधिकारियों ने समस्याओं के सिद्ध निराकरण करने का आश्वासन दिया। मौके पर 6 समस्याओं का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए। इस दौरान तहसीलदार रजत सिंह, मुकेश शर्मा नायब तहसीलदार सहित पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

भाजपा को झटका: पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनिल कसाना ने थामा सपा का दामन, लोनी में बदलेगा सियासी समीकरण





अनिल कसाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

लोनी / गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले लोनी की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनिल कसाना ने भाजपा छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उनके सपा में शामिल होने से लोनी विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

अनिल कसाना पूर्व में भी लोनी विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट के प्रबल दावेदार रहे हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने पार्टी से टिकट मांगा था, लेकिन भाजपा ने नंदकिशोर गुर्जर को प्रत्याशी बनाया था। अब आगामी विधानसभा चुनाव से पहले उनका भाजपा छोड़कर सपा में जाना राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनके इस फैसले के बाद लोनी में सपा की राजनीतिक ताकत बढ़ने और भाजपा के चुनावी समीकरणों पर संभावित असर को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, चुनाव में उनकी भूमिका और सपा की ओर से संभावित दावेदारी को लेकर अभी तस्वीर स्पष्ट नहीं है। आने वाले दिनों में लोनी की राजनीति में नए समीकरण देखने को मिल सकते हैं।

श्रीमद भागवत कथा के समापन पर महाप्रसाद का आयोजन



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिनेश कुमार गोयल सदस्य विधान परिषद के आवास पर 12 नवम्बर से चल रहे श्रीमद भागवत कथा के समापन के अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु जनों ने प्रसाद ग्रहण किया। जिसमें सभी आगंतुकों का दिनेश कुमार गोयल द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

एसएसआर अभियान के तहत बूथों पर पहुंचीं एसडीएम कोमल पंवार, बीएलओ को दिए जरूरी निर्देश



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के तहत शनिवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस पर एसडीएम एवं ईआरओ मोदीनगर श्रीमती कोमल पंवार ने विभिन्न मतदेय स्थलों और बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद बीएलओ से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने बीएलओ को बीएलओ ऐप में किए गए नए बदलावों की जानकारी दी। उन्होंने एसएसआर टाइल के अंतर्गत इलेक्टर फोटो क्वालिटी चेक और करेक्शन ऑफ रॉन्ग एंट्रीज जैसी नई सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही इनका उपयोग कर मतदाता सूची में खराब गुणवत्ता वाले फोटो की जांच करने और गलत प्रविष्टियों में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने पर जोर दिया।

बूथों पर पहुंचे एडीएम विकास कश्यप, मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों का लिया जायजा





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के तहत शनिवार को आयोजित विशेष अभियान दिवस पर एडीएम (नगर) एवं विधानसभा क्षेत्र 57 मोदीनगर के प्रेक्षक विकास कश्यप ने विभिन्न मतदेय स्थलों और बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर मौजूद बीएलओ से मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीएलओ को बीएलओ ऐप में किए गए नए बदलावों की जानकारी भी दी गई। उन्हें एसएसआर टाइल के अंतर्गत इलेक्टर फोटो क्वालिटी चेक और करेक्शन ऑफ रॉन्ग एंट्रीज जैसी नई सुविधाओं के उपयोग के बारे में बताया गया। एडीएम ने मतदाता सूची में फोटो की गुणवत्ता जांचने, गलत प्रविष्टियों को दुरुस्त करने और जेंडर रेशियो पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ पूरा करने पर जोर दिया।

एआई के दौर में मानवीय संवेदनाएं ही बनेंगी सफल विपणन की असली पहचान

विशेषज्ञों ने एआई के जिम्मेदार उपयोग, रचनात्मकता और ग्राहक विश्वास पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। आधुनिक तकनीक के दौर में विपणन की दुनिया तेजी से बदल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने जहां कारोबार की कार्यप्रणाली, ग्राहकों तक पहुंच और बाजार की रणनीतियों को नया स्वरूप दिया है, वहीं मानवीय संवेदनाओं, रचनात्मकता और विश्वास का महत्व भी पहले से अधिक बढ़ गया है। इसी विषय पर आईटीएस स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मोहन नगर में सिनर्जी यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक सहयोग से शनिवार को मार्केटिंग समिट-2026 का आयोजन किया गया। ड्रोणाचार्य सभागार में आयोजित समिट की विषयवस्तु 'मार्केटिंग 5.0 : एआई संचालित विश्व में तकनीक को मानवीय संवेदनाओं से जोड ा' रही। इसमें विभिन्न संस्थानों के 250 से अधिक उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा और वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यावसायिक ज्ञान और कौशल विकास में उद्योग जगत के अनुभवों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को वास्तविक कारोबारी परिस्थितियों और नई तकनीकों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. याचना मल्होत्रा ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि समिट संयोजक प्रो. दुर्बा रॉय ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। समिट में उद्योग विशेषज्ञों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव और विपणन के बदलते स्वरूप पर विचार रखे। वोल्वो समूह के रणनीति एवं सतत विकास मामलों के निदेशक सोहनजीत रंधावा ने औद्योगिक बदलाव, उत्पादकता और सतत विकास में एआई की भूमिका बताई। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग के साथ नैतिक निर्णय और मानवीय विवेक को प्राथमिकता देना जरूरी है। हाउडेन समूह की उत्तर एवं पूर्व क्षेत्र की अध्यक्ष श्वेता सहरावत ने एआई के प्रभावी उपयोग और निर्देश आधारित तकनीक के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विपणन में मानवीय रचनात्मकता और भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने पर जोर दिया। ब्रांड बजूका एडवरटाइजिंग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं सह-संस्थापक साधना करवाल ने विपणन के पांच प्रमुख स्तंभों की जानकारी दी। इनमें आंकड़ों पर आधारित, चुस्त, पूर्वानुमानात्मक, संदर्भ आधारित और संवर्धित विपणन शामिल हैं। उन्होंने एआई आधारित प्रचार अभियानों में ईमानदारी, उपयोगिता, सार्थकता, जवाबदेही और सांस्कृतिक प्रासंगिकता को जरूरी बताया। समिट के दौरान दो महत्वपूर्ण परिचर्चाएं भी आयोजित की गईं। पहली परिचर्चा का विषय 'विपणन में मानवीय दृष्टिकोण वाला एआईइ रहा। प्रो. दुर्बा रॉय के संचालन में हुई चर्चा में विभिन्न कंपनियों के विशेषज्ञों ने बिक्री, स्वास्थ्य सेवाओं, ग्राहक सहभागिता और कारोबारी संचालन में एआई के उपयोग पर विचार साझा किए।

फायरिंग कर दहशत फैलाने वाला कुलदीप कसाना गिरफ्तार, पिस्टल और कार बरामद





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में मुख्य आरोपी कुलदीप कसाना को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, 32 बोर की पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, शालीमार गार्डन एक्सटेंशन प्रथम निवासी नमन चौधरी ने 21 नवंबर को शिकायत दी कि 20 नवंबर की रात करीब 2:30 बजे कुलदीप कसाना अपने साथियों के साथ उनके घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए फायरिंग की। आरोपियों ने घर के बाहर खड़ी कार के शीशे तोड़ दिए और जान से मारने की धमकी दी। इससे पहले आरोपियों ने रात करीब आठ बजे एस-38 ऑफिस के पास नमन के दोस्त सन्नी पर भी जानलेवा नीयत से फायरिंग की थी।

मामले में पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की थीं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी कुलदीप कसाना पुत्र सत्यवीर निवासी शकलपुरा, लोनी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के दो अन्य साथियों पर टीला मोड़ थाना क्षेत्र के काका पैलेस के पास फायरिंग करने का मामला भी दर्ज है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

गाजियाबाद में मतदाता सूची सुधारने की कवायद तेज, डीएम ने कई स्कूलों और सोसाइटियों में किया निरीक्षण

बीएलओ के कार्यों की समीक्षा कर फॉर्म-6, 7 और 8 की प्रगति जानी, लंबित फॉर्म तत्काल उपलब्ध कराने के दिए निर्देश








वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के तहत मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ ने शनिवार को जनपद के विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ के कार्यों की समीक्षा कर फॉर्म-6, 7 और 8 के वितरण एवं प्राप्ति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित फॉर्म तत्काल संबंधित बीएलओ तक पहुंचाए जाएं।

डीएम ने वैशाली के ऋषभ पैराडाइज, क्लाउड-9, निहो स्कॉटिश गार्डन, शिप्रा सनसिटी के रिवेरा पब्लिक स्कूल, डीपीएस, केआर मंगलम स्कूल और अमेठी इंटरनेशनल स्कूल सहित विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर बूथों का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ के रजिस्टरों की जांच कर अभियान की प्रगति परखी। साथ ही अधिक मतदाता संख्या वाले क्षेत्रों का कार्यभार जरूरत के अनुसार अन्य बीएलओ को आवंटित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बीएलओ ने बताया कि कई मतदाताओं के फॉर्म विभिन्न विभागों एवं आवासीय संगठनों में जमा हैं, लेकिन उन्हें संबंधित बीएलओ तक नहीं पहुंचाया गया है। इस पर डीएम ने अधिकारियों को फोन कर सभी लंबित फॉर्म तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा होटल कंट्री इन में स्थापित मतदाता जागरूकता हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने और त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रदेशीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए गाजियाबाद की 12 महिला खिलाड़ियों का चयन



- 23 नवंबर को मेरठ में होगा मंडलीय ट्रायल, चयनित खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रदेशीय सीनियर महिला खो-खो प्रतियोगिता के लिए गाजियाबाद की 12 महिला खिलाड़ियों का चयन किया गया है। शनिवार को महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर 12 खिलाड़ियों को अगले चरण के लिए चुना गया।

चयनित खिलाड़ियों में मोनी, आरुषि, अंजलि, लक्ष्मी, शिवानी, काजल, अंशिका, खुश्बू, हिमानी, प्रिया, आकृति और आफरीन शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का मंडलीय चयन ट्रायल 23 नवंबर को सुबह 11 बजे कैलाश प्रकाश स्पोर्ट्स स्टेडियम, मेरठ में आयोजित होगा।

प्रदेशीय सीनियर महिला खो-खो प्रतियोगिता 26 से 28 नवंबर 2026 तक जिला खेल कार्यालय, जौनपुर में आयोजित की जाएगी। मंडलीय ट्रायल में सफल होने वाली खिलाड़ियों को प्रदेशीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा।

मुरादनगर थाने का निरीक्षण कर डीसीपी ग्रामीण ने परखी व्यवस्थाएं, लापरवाही पर सख्त निर्देश

अभिलेखों, मालखाने, महिला हेल्प डेस्क और लंबित विवेचनाओं की समीक्षा, फरियादियों की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने पर दिया जोर




वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने शनिवार को थाना मुरादनगर का विस्तृत निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय, बैरक, मालखाना, हवालात, सीसीटीएनएस कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क और साइबर हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस अभिलेखों एवं रजिस्टरों को अद्यतन रखने और सभी आवश्यक प्रविष्टियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

डीसीपी ने लंबित विवेचनाओं एवं प्रचलित अभियोगों की समीक्षा करते हुए निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण जांच करने तथा मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रखने को कहा। उन्होंने थाने पहुंचने वाले फरियादियों की शिकायतें गंभीरता से सुनकर समयबद्ध निस्तारण करने और महिलाओं से संबंधित मामलों में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए।

इसके अलावा अपराधियों की निगरानी, वांछितों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी, नियमित गश्त और प्रभावी पुलिसिंग पर जोर दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने तथा आमजन के प्रति शालीन व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए।

डासना गेट पर ज्वैलर्स की दुकान में चोरी, ग्राहक बनकर आया युवक 65 ग्राम सोने के सिक्के लेकर फरार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कोतवाली थाना क्षेत्र के डासना गेट स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान पर चोरी का मामला सामने आया है। यहां ग्राहक बनकर पहुंचे एक युवक ने दुकानदार की नजर बचाकर करीब 65 ग्राम वजन के सोने के सिक्के चोरी कर लिए और मौके से फरार हो गया। आरोपी दुकान पर सामान देखने के बहाने पहुंचा था। इसी दौरान उसने मौका पाकर सोने के सिक्के अपनी जेब में रख लिए। कुछ देर बाद दुकानदार को सिक्के गायब होने का पता चला। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर युवक की चोरी की करतूत सामने आई। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है। पीड़ित दुकानदार ने कोतवाली पुलिस को शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार करने की मांग की गई है।

2027 की तैयारी में जुटी भाजपा, एसएसआर अभियान के जरिए वार्डों में मजबूत करेगी पकड़

महापौर सुनीता दयाल और महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने पार्षदों को दिए जीत के मंत्र, हर पात्र नागरिक का वोट बनवाने पर जोर




कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर भाजपा ने संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में कविनगर स्थित जानकी भवन में एसएसआर अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने की, जबकि मुख्य अतिथि महापौर सुनीता दयाल रहीं।

बैठक में महानगर के पार्षदों, सभासदों और नामित सभासदों ने भाग लिया। महापौर सुनीता दयाल ने सभी जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने वार्डों में घर-घर पहुंचकर पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के वोट प्राथमिकता से बनवाए जाएं। जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से कट गए हैं, उन्हें दोबारा जुड़वाने के लिए भी प्रयास किए जाएं। कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित नहीं रहना चाहिए।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने संगठन की एकजुटता, अनुशासन और बूथ स्तर पर सक्रियता को चुनावी सफलता का आधार बताया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से एसएसआर अभियान को गंभीरता से लेते हुए अपने क्षेत्रों में पूरी सक्रियता के साथ काम करने का आह्वान किया।

बैठक में डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी, पूर्व डिप्टी मेयर सुनील यादव, महानगर महामंत्री प्रदीप चौहान, पंकज भारद्वाज सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन महानगर महामंत्री गौरव चोपड़ा ने किया। सभी ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एनएच-9 पर तेज रफ्तार एसयूवी ने ऑटो में मारी टक्कर, चालक गंभीर

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। वेव सिटी थाना क्षेत्र में एनएच-9 पर तेज रफ्तार एसयूवी कार ने पीछे से ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गया। घायल की पत्नी की शिकायत पर करीब एक माह बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। क्रॉसिंग रिपब्लिक के महाराणा विहार निवासी सविता ने पुलिस को बताया कि उनके पति अशोक कुमार ऑटो चलाते हैं। 18 अक्टूबर की रात करीब 8:15 बजे वह ऑटो लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान मणिपाल अस्पताल के सामने पीछे से आई तेज रफ्तार एसयूवी कार ने उनके ऑटो में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अशोक गंभीर रूप से घायल हो गए और ऑटो भी क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस घायल अशोक को संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल लेकर गई। उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया। सविता के मुताबिक, उनके पति का अभी भी उपचार चल रहा है। उन्होंने 17 नवंबर को पुलिस को तहरीर दी थी।

ऑपरेशन प्रहार के तहत लिंक रोड पुलिस की कार्रवाई, 59 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना लिंक रोड पुलिस ने चेकिंग के दौरान स्मैक तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 59 ग्राम अवैध स्मैक और बिक्री से प्राप्त 250 रुपये बरामद किए हैं।



पुलिस के अनुसार, 20 नवंबर 2026 को टीम ने कड़कड़ फाटक के पास बृज विहार इलाके में चेकिंग के दौरान सत्यपाल उर्फ विक्की (20) निवासी कड़कड़ मॉडल, थाना लिंक रोड, मूल निवासी शाहजहांपुर को गिरफ्तार किया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ थाना लिंक रोड में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

शूट हुई फिल्म 'हप्पन सांगवाला' को रूस के BRICS इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिला बेस्ट शॉर्ट फिल्म का अवॉर्ड

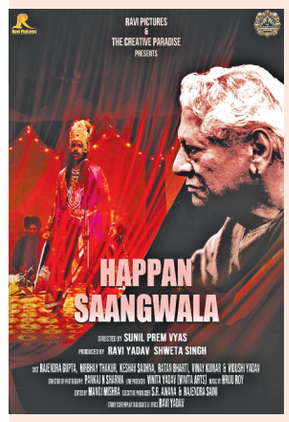

- फिल्म के निमार्ता हैं गाज़ियाबाद के रवि यादव व रूस की श्वेता सिंह, निर्देशक हैं सुनील प्रेम व्यास।
- मुख्य भूमिका में जाने माने अभिनेता अभिनेता राजेंद्र गुप्ता व बालकलाकार निर्भय ठाकुर हैं।

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय लोकनाट्य परंपरा और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सिनेमा के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली शॉर्ट फिल्म 'हप्पन सांगवाला' ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया है। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग और मॉस्को में 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित ब्रिक्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को बेस्ट शॉर्ट फिल्म के प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में 22 देशों की कुल 327 फिल्मों ने हिस्सा लिया था। इन फिल्मों के बीच भारतीय फिल्म 'हप्पन सांगवाला' को सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म के रूप में चुना जाना पूरी टीम के लिए गर्व और खुशी का विषय है। रवि पिक्चर्स और क्रिएटिव पैराडाइज के बैनर तले निर्मित इस फिल्म के निमार्ता रवि यादव और श्वेता सिंह हैं, जबकि निर्देशन सुनील प्रेम व्यास ने किया है। फिल्म की कहानी पटकथा लेखक और गीतकार हैं रवि यादव। फिल्म में राजेंद्र गुप्ता और निर्भय ठाकुर ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई हैं। फिल्म के संगीत निर्देशक रिज्जू रॉय, सिनेमैटोग्राफर पंकज एन. शर्मा और एडिटर मनोज मिश्रा हैं। 'हप्पन सांगवाला' भारत की पारंपरिक लोकनाट्य विधा 'स्वांग' पर आधारित एक संवेदनशील कहानी है। फिल्म ऐसे लोक कलाकार की जीवन यात्रा को दर्शाती है, जिसने बदलते समय और मनोरंजन के नए माध्यमों के बीच स्वांग करना छोड़ दिया है। आज जब टेलीविजन और फिल्मों की चकाचौंध में दर्शकों की रुचि पारंपरिक लोककलाओं से दूर होती जा रही है, तब परिस्थितियाँ कुछ ऐसी करवट लेती हैं कि वह कलाकार अपने पोते के लिए एक बार फिर स्वांग करने का निर्णय लेता है। फिल्म इसी यात्रा के माध्यम से एक कलाकार के मनोभावों, उसकी कला के प्रति समर्पण और बदलते सामाजिक परिवेश को सामने लाती है।

साथ ही यह हमारी उन लोककलाओं और लोक कलाकारों की स्थिति पर भी गंभीर सवाल उठाती है, जो धीरे-धीरे हमारी स्मृतियों और सांस्कृतिक जीवन से ओझल होते जा रहे हैं। फिल्म का संदेश स्पष्ट है कि आधुनिकता और विकास की दौड़ में आगे बढ़ते हुए भी हमें अपनी जड़ों, लोककलाओं और लोक कलाकारों को नहीं भूलना चाहिए, बल्कि उन्हें सहेजकर रखना चाहिए। फिल्म के निर्देशक सुनील प्रेम व्यास ने इस सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरी टीम के लिए बेहद खुशी और गर्व का अवसर है। गौरतलब है कि 'हप्पन सांगवाला' इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में सम्मान और सराहना प्राप्त कर चुकी है। फिल्म की अंतरराष्ट्रीय यात्रा की शुरूआत कान्स फिल्म फेस्टिवल से हुई थी। इसके बाद विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर फिल्म की स्क्रीनिंग और सराहना ने इसे एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। इस उपलब्धि पर फिल्म के निमार्ता रवि यादव और श्वेता सिंह ने ब्रिक्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की पूरी ज्यूरी और आयोजन समिति के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से ज्यूरी की अध्यक्ष जोएता घोष का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारतीय लोककला और संस्कृति पर आधारित इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय मंच पर इतना बड़ा सम्मान मिलना पूरी टीम के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि है। 22 देशों की 327 फिल्मों के बीच भारतीय फिल्म का सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म के रूप में सम्मानित होना न केवल फिल्म की सफलता है, बल्कि भारतीय लोककला और संस्कृति के लिए भी गौरव का क्षण है। 'हप्पन सांगवाला' की यह अंतरराष्ट्रीय सफलता एक बार फिर इस बात को रेखांकित करती है कि हमारी लोककलाओं में आज भी ऐसी कहानियाँ और संवेदनाएँ मौजूद हैं, जो भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे दुनिया भर के दर्शकों के दिलों तक पहुँच सकती हैं।

रूस में अलीसिया गंभीर ने लहराया तिरंगा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया देश का मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रतिभा, लगन और दृढ़ संकल्प के दम पर बेटियां आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का नाम रोशन कर रही हैं। ऐसी ही एक गौरवपूर्ण उपलब्धि मुजफ्फरनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह की बेटी अलीसिया गंभीर ने हासिल की है। रूस में आयोजित ओलंपियाड में भारतीय तिरंगे के साथ देश का प्रतिनिधित्व कर अलीसिया ने न केवल अपने परिवार, बल्कि जनपद और देश का भी गौरव बढ़ाया है। रूस की धरती पर भारतीय ध्वज थामकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना अलीसिया के लिए बेहद यादगार और गौरवपूर्ण क्षण रहा। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और परिचितों में खुशी का माहौल है। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, आत्मविश्वास और उचित मार्गदर्शन के बल पर बेटियां वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकती हैं। अलीसिया की इस उपलब्धि में उनके पिता गंभीर सिंह और माता डॉ. अंजलि गंभीर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।



गंभीर सिंह पीसीएस अधिकारी हैं और वर्तमान में मुजफ्फरनगर में एडीएम वित्त एवं राजस्व के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रशासनिक दायित्वों के साथ-साथ उन्होंने अपनी बेटी की शिक्षा, प्रतिभा और व्यक्तित्व के विकास को भी प्राथमिकता दी। वहीं, अलीसिया की माता डॉ. अंजलि गंभीर सिंह शिक्षिका होने के साथ सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं। वह आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर परिवारों के उन बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास करती हैं, जो संसाधनों के अभाव में पढ़ाई से वंचित रह जाते हैं। उनका मानना है कि शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर व्यक्तित्व और जिम्मेदार नागरिक बनाने का आधार है। माता-पिता के इन्हीं विचारों और संस्कारों ने अलीसिया को मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। रूस में ओलंपियाड के दौरान भारत का प्रतिनिधित्व करना उनकी इसी मेहनत और संकल्प का महत्वपूर्ण पड़ाव बन गया। अलीसिया की उपलब्धि उन तमाम बेटियों के लिए प्रेरणादायक है, जो बड़े सपने देखती हैं और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करती हैं।